वर्ष-13//अंक-6// दिसंबर // 2024

ISSN 2454–5805

आम आदमी पत्रिका

एक आम इंसान की सोच

RNI NO.: CHHHIN/2013/50684

एक सालः उन्नति और सशक्ति की बहार

eyes events & advertising

CREATIVITY
IS TAKING A SIMPLE THING AND BRINGING IT TO LIFE

EVENTS | EXHIBITIONS | CORPORATE FILMS | VIDEO COMMERCIAL

Mo. : 97555-23831 www.eyesevents.in Follow us on

आम आदमी पत्रिका

वर्ष-13//अंक-6// दिसंबर //2024

प्रबंध संपादक	:	उमेश के बंसी
सर्कुलेशन इंचार्ज	:	प्रकाश बंसी
रिपोर्टर	:	नेहा श्रीवास्तव
कंटेंट राईटर	:	प्रशांत पारीक
क्रिएटिव डिजाइनर	:	जितेन्द्र साहू
मैग्ज़ीन डिज़ाइनर	:	दीपिका पॉल
एडमिनिस्ट्रेशन	:	कुसुम श्रीवास्तव
अकाउंट असिस्टेंट	:	प्रियंका सिंह
ऑफिस कॉर्डिनेटर	:	योगेन्द्र बिसेन

प्रधान कार्यालय

54/111, सालासर बालाजी मंदिर के पास,
अग्रसेन धाम के पीछे, वी.आई.पी.रोड, रायपुर (छ.ग.)

फोन : 0771-4044047

ईमेल : khabar@aamaadmi.in

कार्यालय

प्लाट नं.118, कंचन बाग, राजनांदगांव

प्रकाशक

उमेश कुमार बंसी, क्वाटर नंबर 10, एम.एम. रियल स्टेट कॉलोनी, अमलीडीह, रायपुर (छत्तीसगढ़) से प्रकाशित एवं मुद्रित

विशेष- इस पत्रिका में प्रकाशित लेखों में दिये गए विचार, लेखकों के अपने है। इसमें संपादक / मुद्रक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति में संपादक / मुद्रक जिम्मेदार नहीं होगा। इस पत्रिका से संबंधित किसी भी विवाद के लिए सुनवाई क्षेत्र रायपुर न्यायालय होगा।

इस अंक में

सौर सुजला योजना की पारदर्शी निविदा से 25 करोड़ की बचत

छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (क्रेडा) द्वारा राज्य शासन के दिशा निर्देश अनुसार विद्युत पहुँच विहीन एवं दूरस्थ क्षेत्रों में कृषकों को सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराने हेतु माह नवम्बर 2016 में सौर सुजला योजना की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा की गई थी। इस योजनान्तर्गत कृषकों को अत्यंत न्यून दरों पर एवं आकर्षक अनुदान के साथ सोलर सिंचाई पम्प प्रदान किया जाता है। वर्ष 2016-17 से 2023-24 तक 8 चरणों में कुल 1,60,000 नग से अधिक सोलर सिंचाई पंपों से कृषक लाभान्वित हो रहे है साथ ही राज्य की लगभग 2 लाख हेक्टेयर कृषि भूमि सिंचित हो रही है। यह उपलब्धि माननीय मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की दूरगामी सोच व मार्गदर्शन एवं क्रेडा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी राजेश सिंह राणा का क्रेडा की योजनाओं के प्रति कटिबद्धता व योजना के उचित क्रियान्वयन हेतु सकारात्मक प्रयासों का परिणाम है।

05

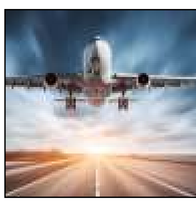

अब सीधे सिंगापुर और दुबई की रायपुर से उड़ान

08

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नई दिल्ली स्थित राजीव गांधी भवन में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू से मुलाकात की।

एक माह में 34 लाख घटी बेरोजगारी

19

देश में बेरोजगारी दर अक्टूबर में 8.7 फीसदी के उच्च स्तर पर पहुंचने के बाद नवंबर, 2024 में घटकर 8 फीसदी रह गई।

महाराष्ट्र में सीएम की कुर्सी देवेंद्र फडणवीस के हाथों, जानें 5 बातें

20

महाराष्ट्र में महायुति की प्रचंड जीत के बाद अब बीजेपी नेता देवेंद्र फडणवीस मुख्यमंत्री की कुर्सी संभालेंगे।

अब मिटी दूरियां, घर पर ही मिल रहा 24 घंटे पानी

26

पानी जीवन का आधार है, पानी की कमी से जूझते ग्रामीण जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल-हर घर जल के माध्यम से अब राहत की सांस ले रहे हैं।

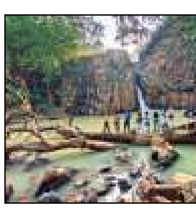

ठंड में छत्तीसगढ़ के टूरिज्म का लीजिए आनंद

30

सर्दी के मौसम में अगर आप छत्तीसगढ़ में कही घूमने का प्लान बना रहे है। तो ये बेहतरीन जगह एकदम सही है।

बस्तर ओलंपिक ने वनांचल के युवाओं को दिया नया मंच

34

जनजातीय बाहुल्य और माओवाद प्रभावित बस्तर संभाग में खेल के माध्यम से विकास और संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा बस्तर ओलंपिक-2024 का आयोजन किया गया है।

युवाओं के भविष्य को रचनात्मक तरीके से संवारने की जुगत

उमेश के बंसी
(प्रबंध संपादक)

सरकार की प्राथमिकता युवा भविष्य पर निश्चित होनी चाहिए। क्योंकि देश में युवाओं के भविष्य की असीम संभावनाएं है। हाल ही में बेरोजगारी कम करने की दिशा में कई कदम उठाए जा रहे है। हालिया रिपोर्ट भी जारी हुई कि नवंबर में भी सबसे कम बेरोजगारी दर काउंट किया गया, लेकिन अब सवाल यह उठता है कि ऐसे में कई बार युवा अपने रोजगार को लेकर आवाज क्यों उठाते है? आज के समय में जरूरत यह है कि युवाओं के लिए रोजगार के नए-नए अवसर तैयार किए जाएं। जैसे कारोबार और स्वरोजगार की दिशा में बड़े कदम उठाने की जरूरत है।

समय-समय पर युवाओं को प्रोत्साहन देने का कार्य भी सरकार को करने की जरूरत है। युवाओं के लिए नई-नई स्कीम के तहत बढ़ावा देने की जरूरत है, तभी युवा बुस्ट होंगे। लोन देने की स्कीम से युवाओं का भविष्य बेहतर होगा, क्योंकि छोटे कारोबार से आज युवा अपना भविष्य संवार पा रहे है। सरकार को प्रोत्साहित करने के लिए योजना बनाने की दरकार है और उन योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन होने से समृद्धि भी आएगी। हालांकि ऐसे व्यवस्था सबसे कारगर होती है, जब नए तौर पर काम शुरू होते है।

जब भारत की आधुनिकीकरण तकनीक से संचालित अर्थव्यवस्था में पूरी तरह से भागीदारी के लिए सूचना, प्रशिक्षण, अवसरों या कौशल तक सीमित पहुंच के कारण कैरियर और रोजगार के अवसरों की बात आती है तो ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले युवा विशेष रूप से कमजोर हैं। शिक्षार्थी- कंप्यूटर अनुपात पर राष्ट्रीय पूर्णयोग 1:89 है।

युवा लोगों को सशक्त बनाना, उनकी रचनात्मकता, समस्या-समाधान और नेतृत्व क्षमता का उपयोग करना, उनके अपने स्वयं के जीवन और उनके समुदायों में अंतर लाना है। इस साझेदारी युवाओं को जीवन कौशल, सामाजिक नवाचार और करियर मार्गदर्शन की जानकारी देकर उनके सामने आई तत्काल चुनौतियों का समाधान करने की आवश्यकता है। युवाओं के लिए डिजिटल कौशल और जीवन कौशल में सुधार और युवाओं को कैरियर के विकल्प प्रदान करना।

युवाओं के रोजगार से जुड़ा एक बड़ा मुद्दा यह भी है कि युवाओं के लिए एक अच्छी और सुरक्षित नौकरी ढूंढ पाना पहले से कहीं ज्यादा कठिन हो गया है। मतलब की जिन युवाओं के पास रोजगार हैं वो भी अपने रोजगार को लेकर सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे। ऊपर से कई बार युवाओं को अपनी शिक्षा और कौशल की तुलना में उपयुक्त काम नहीं मिल पा रहा। यही वजह है कि दुनिया में अभी भी लाखों लोग अपने योग्य बेहतर काम पाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। नतीजन उनके मन में असंतोष की भावना बनी रहती है।

सौर सुजला योजना की पारदर्शी निविदा से 25 करोड़ की बचत

- निविदा अंतर्गत प्राप्त अनुमोदित दर विगत वर्षों की तुलना में लगभग
- 12-15% हुई कम, लक्ष्य से 1000 से अधिक अतिरिक्त कृषक होंगे लाभान्वित

छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (क्रेडा) द्वारा राज्य शासन के दिशा निर्देश अनुसार विद्युत पहुँच विहीन एवं दूरस्थ क्षेत्रों में कृषकों को सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराने हेतु माह नवम्बर 2016 में सौर सुजला योजना की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा की गई थी। इस योजनान्तर्गत कृषकों को अत्यंत न्यून दरों पर एवं आकर्षक अनुदान के साथ सोलर सिंचाई पम्प प्रदान किया जाता है। वर्ष 2016-17 से 2023-24 तक 8 चरणों में कुल 1,60,000 नग से अंधिक सोलर सिंचाई पंपों से कृषक लाभान्वित हो रहे है साथ ही राज्य की लगभग 2 लाख हेक्टेयर कृषि भूमि सिंचित हो रही है। यह उपलब्धि माननीय मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की दूरगामी सोच व मार्गदर्शन एवं क्रेडा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी राजेश सिंह राणा का क्रेडा की योजनाओं के प्रति कटिबद्धता व योजना के उचित क्रियान्वयन हेतु सकारात्मक प्रयासों का परिणाम है।

योजना अंतर्गत नवमें चरण में सोलर सिंचाई पम्पों की स्थापना हेतु क्रेडा द्वारा निविदा क्रमांक 153398/CREDA/SPV IRRIGATION PUMPS /2024-25 दिनांक 26.02.2024 जारी की गई थी। निविदा की ऑनलाईन प्रक्रिया अंतर्गत राज्य शासन द्वारा नामित संस्थान (Chips) के माध्यम से निर्धारित तिथि अनुसार दिनांक 13.11.2024 को निविदा के शर्तोनुसार e-price bid

हेतु पात्र 19 निविदाकर्ता इकाईयों द्वारा ऑनलाईन माध्यम से प्रस्तुत दरें निविदा समिति एवं उपस्थित निविदाकर्ता इकाईयों के समक्ष खोला गया, इस पारदर्शी प्रक्रिया से प्राप्त न्यूनतम दरें पूर्व वर्ष 2021-22 एवं 2022-23 (7 वां/8वां चरण) की तुलना में औसतन लगभग 12% से 15% कम प्राप्त हुई हैं, जिससे राज्य शासन को लगभग राशि रू.25 करोड़ की बचत हुई। दरें कम प्राप्त होने के कारण, राज्य शासन द्वारा स्वीकृत राशि अनुसार निर्धारित लक्ष्य 6000 कृषकों के अतिरिक्त लगभग 1000 से अधिक की संख्या में कृषक लाभान्वित हो सकेंगे। इस प्रकार राज्य शासन द्वारा स्वीकृत राशि की सीमा में ही लगभग 7000 कृषकों के चयनित स्थलों में सिंचाई हेतु सोलर पंपों की स्थापना की जा सकेगी। उक्त अतिरिक्त कृषकों के यहां सोलर पंप स्थापना का कार्य राज्य शासन की पारदर्शी कार्यप्रणाली से संभव हो सका।

लेख है कि क्रेडा की सभी परियोजनाओं हेतु आमंत्रित की जाने वाली निविदाओं में सम्मिलित होने हेतु इकाईयों का क्रेडा में पंजीयन कराये जाने का प्रावधान है। इकाई पंजीयन हेतु धरोहर राशि के रूप में पूर्व वर्ष की निर्धारित (राशि रू.5.00 लाख) में से राशि रू.1.50 लाख कम करते हुए धरोहर राशि रू.3.50 लाख ही निर्धारित किया गया, साथ ही छत्तीसगढ़ के स्नातक अभियंताओं हेतु यह राशि केवल रू.2.50 लाख निर्धारित किया गया। इस प्रकार अधिक से अधिक इकाईयों को निविदा में शामिल होने एवं रोजगार के अवसर प्राप्त हुआ। उपरोक्तानुसार छूट प्राप्त होने के कारण क्रेडा अंतर्गत संचालित सौर सुजला योजना हेतु जारी निविदा में लगभग 257 नयी इकाईयाँ सम्मिलित हो सकीं एवं प्रतिस्पर्धात्मक दरें प्राप्त होने से राज्य शासन के राजस्व की बचत होगी।

सुरक्षा बल का हिस्सा बनकर होता है गर्व

सुरक्षा बलों के जवानों ने नक्सल ऑपरेशन की सफलताओं और चुनौतियों को मुख्यमंत्री से किया साझा।

आज जब युवा साथी मुझसे कहते हैं कि हम भी आपके जैसे बनना चाहते हैं, तब मैं गर्व और हौसले से भर जाती हूं। मैं चाहती हूं कि बस्तर के अधिक अधिक से अधिक युवा सुरक्षा बलों में भर्ती होकर देश की सुरक्षा में अपना योगदान दें। मुझे बहुत खुशी और गर्व है कि मैं इस सुरक्षा बल का हिस्सा हूं और नक्सल अभियानों में मेरी भूमिका रही है। सीआरपीएफ बस्तरिया बटालियन की जांबाज महिला कांस्टेबल ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से उनके बस्तर के सेडवा कैंप प्रवास के दौरान ये बातें साझा की।

मुख्यमंत्री श्री साय बस्तरिया बटालियन की महिला कांस्टेबल के आत्मविश्वास से भरे शब्दों को सुनकर गर्व से भर गए और शाबाशी देते हुए कहा कि जवानों के हौसलों से ही हमें ताकत मिलती है। उन्होंने कहा कि नक्सल ऑपरेशन में बस्तर की बहुत सारी बेटियां चुनौतियों के बीच सफलतापूर्वक काम कर रही हैं। बस्तर में नक्सलवादियों से मुकाबला करती हमारी बेटियों के पराक्रम का कोई सानी नहीं है।।

मुख्यमंत्री श्री साय को बताया गया कि सीआरपीएफ के चुनिंदा जवानों को कोबरा बटालियन में काम करने का मौका दिया जाता है। इन जवानों को नक्सल ऑपरेशन और जंगलवार में महारत हासिल है। जवानों ने टेकलगुड़ेम में कैम्प स्थापना के दौरान हुई घटना का जिक्र करते हुए बताया कि नक्सलियों के साथ मुठभेड़ में हमारे कई साथी घायल हुए लेकिन हमारी टीम ने डअकर मुकाबला किया और कैम्प स्थापित करने में सफल हुए, जिसके कारण नक्सलियों को गांव छोडकर भागना पड़ा।

जवानों ने अबूझमाड़ की चुनौतियों के बारे में मुख्यमंत्री को बताया। उन्होंने कहा कि दुर्गम इलाकों में कई तरह की चुनौतियों का सामना करने के बावजूद सभी जवानों का मनोबल ऊंचा है। हमारी तैनाती संवेदनशील और अतिसंवेदनशील क्षेत्रों में होती है और हम हर तरह की चुनौतियों से निपटने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। हमारी कोशिश है कि हमारा राज्य नक्सलमुक्त हो। हम सब जवान टीम वर्क के साथ अभियानों को अंजाम देते हैं। नक्सल ऑपरेशन के दौरान जब जवान घायल होते हैं तब उनके लाइफ सपोर्ट के लिए भी टीम हमेशा मुस्तैद रहती है। ग्राउंड जीरो से हायर मेडिकल फेसिलिटिज तक जवानों को ले जाने के लिए एयर लिफ्ट करने का काम भी तत्काल किया जाता है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय बस्तर प्रवास के दौरान अचानक ही सीआरपीएफ बस्तरिया बटालियन में जवानों से मिलने बस्तर जिले के सेडवा कैंप पहुंचे थे। यहां उन्होंने जवानों से खुलकर आत्मीयतापूर्वक बात की और जवानों ने भी मुख्यमंत्री से आत्मीय संवाद करते हुए माओवादी आतंक के उन्मूलन के प्रयास में अपने अनुभवों और चुनौतियों को साझा किया। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर जवानों की तारीफ करते हुए कहा कि नक्सलियों के विरुद्ध हमने जो सफलता हासिल की है, उसमें पुलिस और सुरक्षा बलों की अनेक टीमों और बटालियनों की साझी भागीदारी है। इसके साथ-साथ स्थानीय शासन के विभिन्न विभागों ने भी अपनी-अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नक्सलवादी मानवता के दुश्मन हैं। बारूदी सुरंगें बिछाते हुए वे जरा भी नहीं सोचते कि इनसे आम लोगों की जानें भी जा सकती हैं। कई बार छोटे-छोटे बच्चे भी इन बारूदी सुरंगों की चपेट में आ जाते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आप लोगों का काम सचमुच बहुत चुनौतीपूर्ण है, लेकिन हर चुनौती को चूर-चूर करना आप लोगों को आता है। आज हमारे जवान अबूझमाड़ जैसे दुर्गम क्षेत्र में भी नक्सलवाद का सफाया करते हुए सफलता के झंडे लहरा रहे हैं। नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में सुरक्षा बलों ने देश के सामने संगठन और समन्वय का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया है।

अब सीधे सिंगापुर और दुबई की रायपुर से उड़ान

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मुलाकात के दौरान केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ने दी हरी झंडी

राज्य की हवाई कनेक्टिविटी को मजबूत करने और क्षेत्रीय हवाई अड्डों के विकास पर हुई चर्चा

बिलासपुर एयरपोर्ट पर शुरू होगी नाईट लैंडिंग की सुविधा

रायपुर से हवाई सुविधा से जुड़ेगा झारखण्ड और बिहार

"मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नई दिल्ली स्थित राजीव गांधी भवन में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू से मुलाकात की। बैठक में राज्य की हवाई कनेक्टिविटी को मजबूत करने और क्षेत्रीय हवाई अड्डों के विकास के सम्बन्ध में चर्चा की गयी। केंद्रीय मंत्री ने रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट से जल्द ही अंतरराष्ट्रीय हवाई सेवा शुरू करने पर अपनी सहमति जताई है। इसके साथ ही रायपुर एयरपोर्ट पर कार्गो हब विकसित करने की प्रक्रिया भी जल्द शुरू की जाएगी एवं रायपुर एयरपोर्ट से पटना एवं रांची के लिए भी हवाई सेवा शुरू करने की सहमति मिली है।"

मुख्यमंत्री साय ने रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट को अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का दर्जा देने की मांग की। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में अंतरराष्ट्रीय हवाई सेवा की बड़ी संभावनाएं हैं। इस कदम से राज्य के आर्थिक विकास को प्रोत्साहन मिलेगा और वैश्विक स्तर पर कनेक्टिविटी बढ़ेगी। मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ में अंतरराष्ट्रीय यात्री ट्रैफिक को ध्यान में रखते हुए रायपुर से सिंगापुर और दुबई के लिए सीधी उड़ानों की आवश्यकता पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि इन मार्गों पर यात्री ट्रैफिक काफी अच्छा है, जिससे ये सेवाएं व्यावसायिक रूप से लाभकारी साबित होंगी। केंद्रीय उड्डयन मंत्री ने रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट से जल्द ही अंतरराष्ट्रीय हवाई सेवा शुरू करने के प्रस्ताव पर अपनी सहमति जताई है।

श्री साय ने राज्य में वर्तमान में कोई बड़ा कार्गो सुविधा केंद्र नहीं होने की जानकारी देते हुए रायपुर के एयरपोर्ट को एक केंद्रीय कार्गो हब में विकसित करने का प्रस्ताव दिया। उन्होंने कहा कि इससे कृषि और बागवानी उत्पादों के परिवहन को बढ़ावा मिलेगा। केन्द्रीय मंत्री ने इस प्रस्ताव पर जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया है। बैठक में बिलासपुर एयरपोर्ट के लिए 3C IFR कैटेगरी में अपग्रेडेशन का प्रस्ताव भी रखा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने इसके लिए रेडियो नेविगेशन सिस्टम डीवीओआर (DVOR) की इंस्टॉलेशन प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूरा करने का अनुरोध किया है। केन्द्रीय मंत्री ने बिलासपुर एयरपोर्ट पर विमानों की नाईट लैंडिंग में आ रही दिक्कतों को देखते हुए इसे तुरंत शुरू करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

मुख्यमंत्री ने अंबिकापुर एयरपोर्ट को रायपुर, वाराणसी, प्रयागराज और अयोध्या जैसे प्रमुख शहरों से जोड़ने के लिए नई उड़ानों की शुरुआत की भी मांग की। मुख्यमंत्री ने कहा क्षेत्र की सांस्कृतिक और खनिज संपदा को देखते हुए नई उड़ान सेवा शुरू करने से लोगों को काफी लाभ होगा, जिस पर भी केन्द्रीय मंत्री ने सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया है।

बैठक में मुख्यमंत्री ने जगदलपुर और बिलासपुर एयरपोर्ट्स पर आरसीएस उड़ानों के लिए वित्तीय सहायता को बहाल करने की भी मांग की है। उन्होंने बताया कि इन रूट्स पर कनेक्टिविटी बढ़ाने से क्षेत्रीय विकास में मदद मिलेगी। श्री साय ने बताया कि जगदलपुर से रायपुर के बीच इंडिगो एयरलाइंस द्वारा संचालित उड़ान सेवा को कम यात्रियों के चलते बंद कर दिया गया था। इसे पुनः सही समय पर शुरू करने का आग्रह करते हुए उन्होंने कहा कि बस्तर में पर्यटन की अपार संभावनाओं को देखते हुए इस मार्ग पर हवाई कनेक्टिविटी की भारी मांग है। केंद्रीय मंत्री ने अन्य प्रस्तावों पर भी सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया है।इस दौरान मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत एवं नई दिल्ली में पदस्थ छत्तीसगढ़ की इन्वेस्टमेंट कमिश्नर ऋतु सैन भी उपस्थित थीं।

बस संगवारी एप' लॉन्च:
घर बैठे मिलेगी बस के समय और रूट की जानकारी

बस यात्रियों, विशेष रूप से दूरस्थ अंचलों के यात्रियों के लिए काफी सुविधाजनक होगा एप का उपयोग

एप में 5 हजार से अधिक बसों की मिलेगी जानकारी

छत्तीसगढ़ में बस यात्रियों को अब बस की समय-सारणी और बस रूट की जानकारी घर बैठे मिल सकेगी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ राज्य सड़क सुरक्षा परिषद की बैठक में सुशासन की अवधारणा पर अमल करते हुए यात्रियों की यात्रा को सुगम और सरल बनाने के लिए 'बस संगवारी एप' लॉन्च किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने छत्तीसगढ़ परिवहन विभाग की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि बस संगवारी एप बस यात्रियों, विशेष रूप से दूरस्थ अंचलों के यात्रियों के लिए काफी सुविधाजनक होगा। निकट भविष्य में इस एप के माध्यम से अंतर्राज्यीय बसों के परिवहन और बसों के रियल टाइम ट्रेकिंग की सुविधा भी उपलब्ध होगी। अभी यात्रियों को बस की टाइमिंग पता करने के लिए बस स्टैण्ड या बस स्टॉप पर जाना पड़ता है। लोगों की इस परेशानी का समाधान इस एप के जरिए मिल सकेगा।

छत्तीसगढ़ परिवहन विभाग द्वारा तैयार कराए गए इस एप को गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड किया जा सकेगा। इस एप के माध्यम से यात्रियों के लिए सार्वजनिक परिवहन सुविधाजनक होगा। इस एप में वर्तमान में 5 हजार से अधिक बसों को शामिल किया गया है, जो विभिन्न रूट में संचालित हैं।

जल्द ही अंतर्राज्यीय बसों के संचालन की जानकारी भी इस एप के माध्यम से मिल सकेगी। बसों में जीपीएस सिस्टम लगाया जा रहा है। बस संगवारी एप को जीपीएस के साथ एकीकृत किया जा रहा है, जिससे बसों की लाइव ट्रेकिंग भी की जा सकेगी।

सड़कों के ब्लैक स्पॉट में होगा सुधार

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज अपने निवास कार्यालय में आयोजित छत्तीसगढ़ राज्य सड़क सुरक्षा परिषद की बैठक में प्रदेश के सड़क सुरक्षा परिदृश्य, सड़क दुर्घटना के नियंत्रण के उपायों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने बैठक में कहा कि

सड़क दुर्घटनाओं के नियंत्रण के लिए दुपहिया वाहन चालकों के लिए हेलमेट और चार पहिया वाहन चालकों के लिए सीट बेल्ट के उपयोग तथा वाहन चलाते समय सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। इसके लिए जनजागरूकता अभियान को प्रभावी ढंग से चलाया जाए। मुख्यमंत्री साय ने सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सड़कों पर ब्लैक स्पॉट के सुधार कार्य में तेजी लाने, जिला सड़क सुरक्षा समिति की नियमित बैठकें आयोजित करने, सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों के इलाज के लिए निर्माणाधीन ट्रामा स्टेब्लाईजेशन यूनिट्स का कार्य जल्द से जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने बैठक में परिवहन विभाग द्वारा तैयार कराया गया "बस संगवारी एप" लांच किया और परिवहन विभाग द्वारा सड़क सुरक्षा पर प्रकाशित पोस्टर का विमोचन किया।

हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग करने पर मृत्यु की संभावना कम

बैठक में जानकारी दी गई कि स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा राज्य के स्कूलों में कक्षा पहली से लेकर दसवीं तक के राज्य शैक्षणिक अनुसंधान परिषद की पाठ्यपुस्तकों में सड़क यातायात नियमों से संबंधित अध्याय पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है। बैठक में बताया गया कि यातायात व्यवस्था का इलेक्ट्रॉनिक सर्विलेंस रायपुर, बिलासपुर और नवा रायपुर में किया जा रहा है। भिलाई और दुर्ग में यह व्यवस्था आंशिक रूप से संचालित है। सितंबर 2023 से अक्टूबर 2024 तक 101 ब्लैक स्पॉट और 748 जंक्शन के सुधार कार्य पूर्ण किए गए हैं। बैठक में जानकारी दी गई कि हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग करने पर सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु की संभावना 40 प्रतिशत तक कम हो सकती है।

7826 वाहन चालकों का लायसेंस निलंबित

अधिकारियों ने बताया कि यातायात नियमों के उल्लंघन पर परिवहन विभाग द्वारा 6 लाख 70 हजार से अधिक तथा पुलिस विभाग द्वारा 4 लाख 87 हजार से अधिक चालानी कार्यवाही की गई है। 01 जनवरी 2023 से 31 अक्टूबर 2024 तक 7826 वाहन चालकों का लायसेंस निलंबित किया गया है। 8 दुर्घटनाजन्य क्षेत्रों राजनांदगांव, धरसींवा अभनपुर, पाली, सिमगा, सुकमा, बेमेतरा और पत्थलगांव में ट्रामा स्टेब्लाईजेशन यूनिट निर्माण के लिए राशि स्वीकृत की गई है। 14 हजार 261 वाहनों में व्हीकल लोकेशन ट्रेकिंग डिवाइस, 72 हजार से अधिक वाहनों में स्पीड गवर्नर तथा 2200 बसों में पेनिक बटन लगाए गए हैं। बैठक में ब्लैक स्पॉट की पहचान, सुधार की कार्यवाही, सड़कों में यातायात संकेतक, होर्डिंग्स हटाने, फुटपाथ, पार्किंग, सर्विस लेन से अतिक्रमण हटाने आदि कार्यों की समीक्षा की गई।

बदलता हुआ भारत, सशक्त होते भारतीय

नागालैंड में पीएमएवाई-जी की यात्रा

जीवन में एक सकारात्मक बदलाव का हमेशा ही स्वागत किया जाता है, विशेष रूप से जब वह जीवन को बदलाव लाता है। भारत इस प्रकार के उल्लेखनीय परिवर्तन की दौर से गुजर रहा है, भारतीयों का जीवन सुरक्षित, गरिमापूर्ण और बेहतर हो रहा है। जो बातें इस यात्रा को असाधारण बनाती है, वह इसकी समावेशिता और समानता पर ध्यान केंद्रित करना है। भारत जैसे विशाल एवं विविधतापूर्ण देश में, जहां प्रायः विकास की योजना को दूरदराज के क्षेत्रों तक पहुंचने में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, परिवर्तन की हवा अब देश के कोने-कोने में फैल रही है, यह सुनिश्चित कर ही है कि कोई भी इस बदलाव से वंचित न रहे। देश की कल्याणकारी योजनाओं एवं पहलों के माध्यम से भारतीयों को विकसित भारत के सामूहिक लक्ष्य की प्राप्ति के लिए एकजुट किया गया है।

इस बदलाव का सबसे प्रभावशाली पहलुओं में से एक अनिश्चितता से स्थिरता में की और जाना है, विशेष रूप से आवास के मामले में। एक समय था जब देश के लाखों ग्रामीणों के लिए आवास रहित होना कठोर वास्तविकता थी और उन परिवारों को प्रतिकूल मौसम, सामाजिक बहिष्कार और निरंतर असुरक्षा का सामना करना पड़ता था। लेकिन प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण (पीएमएवाई-जी) ने उनके जीवन में क्रांति ला दी है, पक्के मकान प्रदान किए गए हैं जो न केवल उन्हें आश्रय प्रदान करते हैं बल्कि गर्व, सुरक्षा और अपनापन की अनुभूति प्रदान करते हैं। इसका प्रभाव नागालैंड के दूरदराज के पहाड़ी इलाकों में स्पष्ट दृष्टिगोचर हो रहा है, जहां विकास

परियोजनाओं को प्रायः लॉजिस्टिक एवं भौगोलिक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। वहां, पीएमएवाई-जी द्वारा पहले ही 48,826 घरों को स्वीकृति प्रदान कर दी गई है जिनमें से 19,300 से अधिक घरों को पूरा कर लिया गया है, जो उन परिवारों के जीवन में परिवर्तन ला रहा है जो कभी मूल आश्रय के लिए संघर्षरत थे। मजबूत पत्थरों के स्तंभों एवं ऊंची संरचनाओं पर बने ये घर न केवल समय की कसौटी पर खरे उतरते हैं बल्कि लचीलापन एवं नवीनीकरण का भी प्रतीक हैं। घरों की संरचना लंबा जीवनकाल सुनिश्चित करते हुए नमी और दीमक से होने वाले नुकसान से बचाते है। इन घरों में को प्राप्त करने वाले परिवारों के लिए, यह उनके सशक्तिकरण का क्षण हैरू एक ऐसा स्थान जहां आकांक्षाएं जड़ें जमाती हैं एवं पनपती हैं। योजना का दृष्टिकोण एक ऐसे भारत की परिकल्पना पर आधारित है जहां विकास समावेशी हो, जो राष्ट्रीय प्रगति में योगदान देते हुए लोगों को सशक्त बनाता हो। लेकिन यह बदलाव किसी व्यकित के सिर पर छत देने के साथ समाप्त नहीं होता है। पीएमएवाई-जी ने अपने संचालन में स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को शामिल कर ग्रामीण भारत में आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा दिया है। नागालैंड में, लाभार्थियों ने अपने निर्माण कौशल एवं आत्मनिर्भरता के साथ-साथ निर्माण की लागत में कमी लाने के लिए बांस तथा हल्के कंक्रीट जैसे स्थानीय संसाधनों का उपयोग किया है।

आधुनिकता के बीच के गैप को भी पाटता

पीएमएवाई-जी प्रथाओं एवं आधुनिकता के बीच के गैप को भी पाटता है, यह सुनिश्चित करता है कि विकास के माध्यम से सांस्कृतिक पहचान का सम्मान हो। नागालैंड में, इस योजना के अंतर्गत बनाए गए आवास इस क्षेत्र की स्थापत्य विरासत को परिलक्षित करते हैं, जिसमें आधुनिक पहलू प्राकृतिक परिदृश्य के साथ आसानी से घुल-मिल जाते हैं। बांस की चटाईयां दीवारों और छत की शोभा बढ़ाती है और सीजीआई शीट छत का काम करती हैं, परंपराओं को कार्यक्षमता के साथ जोड़ती हैं। ये घर केवल कार्यात्मक नहीं हैं बल्कि इस बात का प्रतिबिंब हैं कि विकास के माध्यम से स्थानीय परंपराओं का सम्मान और एकीकरण कैसे किया जा सकता है।

केंद्रित करने के लिए स्वतंत्र

कुल मिलाकर, पीएमएवाई-जी जीवन में परिवर्तन लाने और ऐसा करने में, भारत में बदलाव लाने के बारे में है। सुरक्षित और सुदृढ़ घरों के साथ, परिवार अब शिक्षा, स्वास्थ्य एवं आजीविका पर ध्यान केंद्रित करने के लिए स्वतंत्र हो चुके हैं, जिससे पीढ़ीगत प्रगति का मार्ग प्रशस्त होता है। नागालैंड में, यह परिवर्तन स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। अपने नए घरों में रहने वाले परिवार अपने उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं, जो नीति को समृद्धि में बदलने की योजना की सफलता का प्रतीक हैं। यह एक बदलते भारत की भावना है, जहां देश का प्रत्येक नागरिक अपने विकास में एक हितधारक है और प्रत्येक सपने का एक आधार है।

एक सालः उन्नति और सशक्ति की बहार

छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार के गठन बाद राज्य के हर वर्गों की उत्तरोत्तर प्रगति हो रही है। किसान, महिला, युवा और आदिवासियों को बड़ा सम्मान देते हुए उनके लिए विकास कार्य भी तेज कर दिए है। इससे उनके जीवन में परिवर्तन साफ-साफ दिख रहा है।

दरअसल, किसानों की तरक्की के लिए किसान उन्नति योजना, महिलाओं के लिए महतारी वंदन योजना, तेंदूपत्ता संग्रहकों के लिए संग्रहण दर में इजाफा, युवाओं के लिए पीएससी की भर्तियों में पारदर्शिता, छत्तीसगढ़ के लोगों के लिए तीर्थ दर्शन की योजना समेत अनेकों योजनाओं का लाभ दिलाया गया है। इससे हर वर्ग को बड़ी राहत मिली है। हालांकि कुछ योजनाओं में अब भी कार्य शुरू किए गए है, जिसे जल्द ही पूरा किया जाएगा।

सास-बहू के पारंपरिक रिश्ते को मिली नई पहचान

महतारी वंदन योजना छत्तीसगढ़ सरकार की एक अभिनव पहल है, जो महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ ही उनका सामाजिक और पारिवारिक स्तर पर सम्मान बढ़ाने का कार्य कर रही है। यह योजना महिलाओं को वित्तीय सहायता प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बना रही है, जिससे वे अपने परिवार की बेहतरी के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लेने में सक्षम होती हैं। कुछ ऐसी ही कहानी है कोरबा जिले के ग्राम बगदरा गांव की इतवारा बाई के परिवार की। ग्रामीण महिला इतवारा बाई और उनकी बहू ममता, महतारी वंदन योजना के तहत मिल रही राशि से अपने परिवार को स्थिरता दे रही हैं। ग्रामीण परिवेश में जीविकोपार्जन के लिए आवश्यक संसाधनों की कमी और अनियमित रोजी-मजदूरी के कारण परिवार की आर्थिक स्थिति खराब थी, जिससे घर का खर्च चलाना भी कठिन हो रहा था। योजना के तहत मिलने वाली राशि ने इतवारा बाई और ममता को अपने परिवार के स्वास्थ्य का ख्याल रखने के साथ ही दैनिक खर्चों को संभालने में मदद की। राशि के उचित उपयोग से वे अपने परिवार को सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा सहित अन्य लाभ दे रही है। उनकी मेहनत और योजना की मदद से अब परिवार की आर्थिक स्थिति सुधरी है।

जिससे परिवार के जीवन स्तर को सुधार हुआ है और वे अब आत्मनिर्भर महसूस करती हैं और उनके परिवार में खुशहाली का माहौल है। इस योजना का सबसे बड़ा लाभ यह है कि सास और बहू, दोनों को एक साथ आर्थिक सहायता मिल रही है। इससे दोनों पीढ़ियां न केवल एक-दूसरे के साथ मिलकर घर के खर्चों को सही तरीके से सम्हाल रही हैं, साथ ही उनके रिश्ते भी मजबूत हो रहे हैं। परिवार में खुशी का माहौल है, अब दोनों महिलाएं घर के निर्णयों में बराबरी से हिस्सा ले रही हैं और उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा है। इतवारा और ममता का कहना है कि इस योजना ने उनका मनोबल बढ़ाया है और अब वह परिवार के फैसलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। सरकार की इस कल्याणकारी योजना के लिए सास इतवारा बाई और बहू ममता ने आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया, जिससे उनके परिवार की स्थिति में सुधार आया और वे आर्थिक रूप से सशक्त होने लगी है।

कृषक उन्नति योजना ने बेटी की शादी में लगा दिया चार चांद

बेटी की शादी करना एक पिता के लिए बहुत बड़ी जिम्मेदारी और चुनौती होती है। एक किसान परिवार में जन्मी बेटी की शादी में किसी तरह की कोई कसर ना रह जाए, इसकी चिंता बेटी की डोली घर से उठते तक पिता को सताती है। प्रदेश के मुखिया विष्णु देव साय ने ऐसे बेटियों के पिता की चिंता को दूर कर करने हुए गत वर्ष के धान उपार्जन की राशि देने की योजना प्रारंभ किया है। धमतरी जिले के ग्राम भटगांव के किसान लोकेश राम साहू की बिटिया की शादी के ठीक पहले उन्हें कृषक उन्नति योजना के तहत राशि मिली। वे बताते हैं कि कृषक उन्नति योजना से मिली धान की राशि ने उनकी बेटी की शादी में चार चांद लगा दिया है। उन्होंने कहा कि उनकी एक एकड़ 30 डिस्मिल जमीन है, जिस पर उपजाए लगभग 26 क्विंटल 80 किलोग्राम धान का विक्रय समर्थन मूल्य पर किया। उन्हें कृषक उन्नति योजना के तहत लगभग 25 हजार रूपये बोनस राशि मिली, वह भी तब जब उनकी बिटिया की शादी होने वाली थी। किसान लोकेश राम साहू खुश होकर प्रदेश के मुखिया विष्णु देव साय का धन्यवाद करते हुए कहते हैं कि किसान के हित में मुख्यमंत्री ने इतना अच्छा फैसला लिया हैं। जिससे किसानों की समस्या का समाधान हो रहा है।

हर गरीब का पक्का आवास का सपना हो रहा पूरा

हर गरीब को रहने के लिए पक्का छत मिले इस उद्देश्य के साथ प्रधानमंत्री आवास योजना की शुरुआत की गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सोच से ग्रामीण इलाकों में टूटे खपरैल और धसकती दीवारों के बीच जीवन यापन कर रहे गरीब परिवारों के लिए एक नए सपने से कम नहीं है। इस मिशन को पूरा करने के लिए राज्य सरकार मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में कदम से कदम मिलाकर चल रही है। चयनित पात्र हितग्राहियों के पक्के घर का सपना पूरा करने के लिए तीव्र गति से कार्य कर रही है। महासमुंद जिले में इसका बेहतर क्रियान्वयन देखने को मिल रहा है। जिंदगी भर कच्चे मकान में रहने की दुःख से उबरते हुए अब गरीब परिवारों को भी पक्का छत नसीब हो रहा है। ग्राम बेमचा के श्रीमती शिवबती ध्रुव के नाम पर प्रधानमंत्री आवास योजना स्वीकृत हुआ है। पहली किस्त की राशि 40 हजार रुपए मिल चुका है। अब उनके सपनों की घर का बुनियाद पड़ गई है और जल्दी ही उनका घर बनकर तैयार हो जाएगा। अपने घर और पति के सपनों को प्रधानमंत्री आवास योजना से पूरा होने वाला है। उन्होंने बताया कि शादी के समय वे कच्चे खपरैल के घर में आई थी तबसे आज लगभग 25 वर्षों बाद उनका सपना पूरा हो रहा है। ऐसे ही हजारों हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ महासमुंद जिले में मिल रहा है।

इस योजना अंतर्गत वर्ष 2016-17 से 2022-23 के दौरान जिले में 73,266 आवास स्वीकृत हुए हैं। इनमें से अब तक 69,905 आवास पूर्ण हो चुके हैं, जबकि 3,361 आवास निर्माणाधीन हैं। प्रधानमंत्री जनमन योजनांतर्गत महासमुंद जिले में 583 विशेष पिछड़ी जनजाति के हितग्राहियों का सर्वे एवं पंजीयन पूरा हो चुका है। सभी हितग्राहियों को आवास स्वीकृत किया गया, जिनमें से 3 दिसम्बर तक 195 आवास पूर्ण हो चुके हैं तथा 388 आवास प्रगतिरत हैं। जिसके तहत 579 हितग्राहियों के खाते में प्रथम किस्त की राशि जमा किया गया है। इसी तरह 504 हितग्राहियों को द्वितीय किस्त, 353 हितग्राहियों को तृतीय किस्त एवं 112 हितग्राहियों को चतुर्थ किस्त की राशि जारी किया जा चुका है।

मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना से तिलेश्वरी ठाकुर को मिला नया जीवन

राज्य के नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने तथा दुर्लभ बीमारियों के इलाज में होने वाले व्यय से बचाने हेतु राज्य शासन द्वारा संजीवनी सहायता कोष का विस्तार करते हुये मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना प्रारंम्भ किया गया है। इस योजना के तहत् चिन्हित दुर्लभ बीमारियों के लिए राज्य के पात्र परिवारों को अधिकतम 25 लाख रूपए तक के इलाज की सुविधा प्रदान की जाती है। छत्तीसगढ़ ऐसा पहला राज्य है, जो इतनी बड़ी राशि अपने राज्य के नागरिकों के इलाज हेतु प्रदान कर रहा है जिससे स्वस्थ एवं बेहतर छत्तीसगढ़ का निर्माण किया जा सके। जिला नारायणपुर अंतर्गत वार्ड क्रमांक 11 आश्रम निवासरत तिलेश्वरी ठाकुर, पति योगश ठाकुर के यूटेरस में पथरी होने के कारण उपचार हेतु विशाखपटनम गये थे। विशाखापटनम के चिकित्सालय में प्रारंभिक स्वास्थ्य जांच परीक्षण के उपरांत चिकित्सको के द्वारा पथरी के साथ ही साथ कैंसर होना पाया गया चूंकि संबधित पीड़ित मरीज की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण नारायणपुर वापस लाये गये। मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना की जानकारी प्राप्त कर 2 अगस्त 2024 को कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी में उपस्थित हुये। सूरज सिंह साहू जिला परियोजना समन्यवक आयुष्मान भारत जिला नारायणपुर के द्वारा श्रीमति तिलेश्री ठाकुर को आवेदन प्रपत्र प्रदाय किया गया एवं राज्य कार्यालय में जमा करने सलाह दिया गया। चार दिवस के भीतर ही बालको मेडिकल सेंटर पर उपचार हेतु 06 अगस्त 2024 को मेडिकल ऑन्कोलॉजी विभाग में भर्ती किया गया। मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत श्रीमति तिलेश्वरी ताकुर के उपचार हेतु 1 लाख् 51 हजार 685 रूपये सीधे तौर से बालको मेडिकल सेंटर को स्वीकृति प्रदाय करते हुये हितग्राही का नि:शुल्क उपचार किया गया। तिलेश्वरी ठाकुर का पैक्लिटैक्सेल और कार्बोप्लेटिन उपचार किया गया है। 02 दिसम्बर 2024 की स्थिति में तिलेश्वरी बालको मेडिकल सेंटर चिकित्सको की निगरानी में स्वास्थ्य लाभ ले रही हैं। लाभार्थी के परिजनो द्वारा अवगत कराया गया है कि 12 दिसम्बर 2024 को चिकित्सालय से डिस्चार्ज किया जाएगा।

जब से लगा घर में नल, रस्सी डालकर बाल्टी खींचकर नहीं लगाना पड़ता बल

कई साल पहले विपदी बाई को कुएं से पानी भरने में कोई तकलीफ नहीं थीं। वह बड़े-बड़े बर्तन लेकर कुएं के पास जाती थी और कुएं में रस्सी डालकर बड़ी ही आसानी से बाल्टी डालकर पानी खींच निकालती थी। यह काम सुबह-शाम ही नहीं चलता था, घर में जब भी पानी की जरूरत होती थी कुएं तक का सफर चलता ही रहता था। समय बीतता गया, विपदी बाई ऐसे ही पानी कुएं से भरती रही। धीरे-धीरे उम्र बढ़ने के साथ विपदी बाई का शरीर जवाब देने लगा, घर में पानी की जरूरत तो बढ़ती चली गई, लेकिन कुएं में बाल्टी डालकर रस्सी से पानी से भरी बाल्टी को खींच पाना आसान नहीं रह गया। कई बार तो वह पानी से भरी आधी बाल्टी पानी को कुएं से खींचती और अपनी किस्मत को कोसती। यह सिलसिला कई महीनों तक चलता रहा, लेकिन वृद्धा विपदी बाई की मुश्किलें कम नहीं हुई। एक दिन जब जल जीवन मिशन अंतर्गत गांव में घर-घर पाइप लाइन बिछाकर नल कनेक्शन दिया जाने लगा तो विपदी बाई को यह सब कुछ दिनों का खेल लगा। घर पर नल कनेक्शन लगने के पश्चात आखिरकार जब नल चालू की गई तो विपदी बाई के घर में लगे नल से भी पानी आने लगा। विपदी बाई के लिए यह किसी बड़े उपकार से कम नहीं था। घर पर ही पानी मिल जाने से विपदी बाई ही नहीं उसकी जैसी अनेक वृद्ध महिलाओं को कुएं जाने और कुएं में रस्सी डालकर पानी का भार खींचने शारीरिक थकावट वाले बल से आजादी मिल गई। घर में ही नल कनेक्शन मिलने से उन्हें कुएं से घर तक बर्तन का भार सिर में उठाने से भी मुक्ति मिल गई।

करतला विकासखण्ड के अंतर्गत ग्राम पंचायत तरदा के आश्रित ग्राम बैगापाली की विपदी बाई ने बताया कि पहले कुएं से ही पानी भर कर लाना पड़ता था। एक उम्र तक कुएं से पानी निकालने में कोई तकलीफ नहीं थी लेकिन उम्र होने के बाद कुएं में रस्सी डालकर पानी से भरी बाल्टी खींच पाना आसान नहीं है। घर में नल का कनेक्शन लगने और पानी मिलने के बाद कुएं से पानी लाना बंद हो गया है। उन्होंने बताया कि घर पर ही पानी मिलने से उनकी बड़ी समस्या का अंत हो गया है। घर के लिए खाना पकाने तथा अन्य घरेलू कार्य हेतु पानी की आवश्यकता लगातार बनी रहती है। अब उन्हें सिर पर पानी से भरा बर्तन सिर पर लादकर घर तक नहीं लाना पड़ता। घर पर मौजूद विपदी बाई के पति खुबूदास ने बताया कि पहले पानी के लिए उनकी पत्नी को कुंए तक जाने से घर का काम प्रभावित होता था। अब नल में समय पर पानी आता है। अपनी जरूरत अनुसार जितना पानी चाहिए घर में इक्ट्ठा कर लेते हैं। उन्हें स्वच्छ पानी मिलने लगा है। उन्होंने बताया कि पानी का स्वाद भी अच्छा है। बैगापाली में नल कनेक्शन के संबंध में पीएचई के ईई श्री ए के बच्चन ने बताया कि बैगापाली में जल जीवन मिशन हमर गांव हमर पेयजल अंतर्गत सोलर डयूल पंप के माध्यम से घरों में नल का कनेक्शन दिया गया है। नल कनेक्शन से खुश विपदी बाई ने बताया कि उन्हें महतारी वंदन योजना से हर माह एक हजार की राशि भी मिलती है। इससे घर का जरूरी खर्च के लिए पैसे का इंतजाम हो जाती है।

लखपति दीदी योजना से महिलाएं बन रही है सफल व्यवसायी

राज्य और केन्द्र सरकार द्वारा महिलाओं के उत्थान, आर्थिक लाभ एवं आत्मनिर्भर व स्वावलंबी बनाने के लिए महतारी वंदन योजना और लखपति दीदी योजना जैसी अनेक महत्वाकांक्षी योजनाएं संचालित की जा रही है। जहां एक तरफ महिलाएं महतारी वंदन योजनाओं का लाभ लेकर अपनी जरूरतों को पूरी कर रही है वहीं दूसरी ओर लखपति दीदी योजना से महिलाएं आत्मनिर्भर हो रही है। महिलाओं के जीवन में परिवर्तन आ रहा है। जब महिलाएं आगे बढ़ेगी तभी देश और समाज का विकास होगा। दुर्ग जिला मुख्यालय से 10 किलोमीटर की दूरी पर स्थित ग्राम पंचायत नगपुरा निवासी सरस्वती सिन्हा को हाल ही में दुर्ग में आयोजित लखपति दीदी महिला सम्मान समारोह में प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया है। उनकी यह उपलब्धि ग्रामीण महिलाओं के लिए बहुत ही प्रेरणादायक है। उन्होंने बताया कि वह पहले घरेलू महिला थी। घर के कामों में ही व्यस्त रहती थी। आज श्रीमती सरस्वती सिन्हा जय मां लक्ष्मी सेवा स्व सहायता समूह से जुड़कर सिलाई कार्य में स्वयं प्रशिक्षित होकर अन्य समूहों को भी प्रशिक्षित कर रही है। समूह में कुल 10 लोग है, जिसकी अध्यक्ष स्वयं सरस्वती सिन्हा है। समूह के अन्य सदस्य भी गृहिणी है, जो मुख्य रूप से घरेलू कामों और मजदूरी कार्य में शामिल थी। अपनी आर्थिक स्थिति को देखते हुए सरस्वती दीदी एवं साथियों ने मिलकर सशक्त और आत्मनिर्भर बनने का दृढ़ निश्चय किया। सिन्हा के दृढ़ निश्चय का ही फल है कि वह राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान से जुड़कर ब्यूटी पार्लर व सिलाई कार्य में संलग्न है। जिला प्रशासन

तथा जनपद पंचायत के सहयोग व मार्गदर्शन से सरस्वती को सिलाई का टेण्डर मिलने लगा है। सरस्वती दीदी वर्तमान में ब्यूटीपार्लर का काम कर प्रतिमाह औसतन 6 हजार रूपए आय का सृजन कर रही है। उन्होंने कहा कि यह योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के साथ उन्हें आत्मनिर्भर भी बना रही है। प्रारंभिक कठिनाईयों से अब निजात मिल चुकी है। इन गतिविधियों से लगभग 13 हजार रूपए की आमदनी हो रही है। जिले में स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं लखपति दीदी योजना के माध्यम से न केवल अपना व्यवसाय शुरू कर रही हैं, बल्कि दूसरी महिलाओं की आर्थिक स्थिति भी सुधार रही हैं।

श्री रामलला दर्शन योजनाः रायपुर से 850 श्रद्धालु अयोध्या के लिए रवाना

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर शुरू की गई श्री रामलला दर्शन योजना के तहत चलाई जा रही विशेष ट्रेन रायपुर रेल्वे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर-07 से रवाना हुई। इस विशेष ट्रेन से 850 श्रद्धालुओं का जत्था अयोध्या धाम के लिए रवाना हुआ। श्री रामलला दर्शन यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में भारी उत्साह है।

श्रद्धालुगण भगवान राम का जय-जयकार करते हुए अयोध्या धाम के लिए निकले हैं। ट्रेन में श्रद्धालु भजन-कीर्तन करते हुए भक्तिमय माहौल में श्री रामलला के दर्शन को जा रहे हैं। रामलला दर्शन के लिए जाने वाले दर्शनार्थियों ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने श्री रामलला दर्शन के लिए योजना की शुरूआत की है। अयोध्या के दर्शन हम जैसे लोगों के लिए असंभव था, लेकिन मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल पर आज हमें अयोध्या में श्री रामलला के दर्शन संभव हुआ है। अयोध्या धाम की यात्रा को लेकर हमें बहुत खुशी हो रही है। अयोध्या में श्री रामलला के भव्य और सुंदर मंदिर बनाए गए है। यात्रा के दौरान हम सभी को काशी विश्वनाथ जी के दर्शन का लाभ भी प्राप्त होगा।

जानिए, छत्तीसगढ़ सरकार ने किन-किन योजनाओं को उतारा धरातल में

- कृषि के क्षेत्र में किसानों की उन्नति
- महतारी वंदन योजना से महिलाओं की तरक्की
- रिक्त शासकीय पदों पर भर्तियां
- 18 लाख परिवारों को आवास की सुविधा
- तेंदूपत्ता संग्रहण दर में बढ़ोतरी
- आयुष्मान योजना से इलाज संभव
- पीएससी परीक्षा में पारदर्शिता
- छत्तीसगढ़ उद्यम क्रांति योजना
- इनोवेशन हब नवा रायपुर में
- श्री रामलला दर्शन योजना
- जनजाति उत्थान के कार्य

एक माह में 34 लाख घटी बेरोजगारी

पांच लाख को ही मिला रोजगार

"देश में बेरोजगारी दर अक्टूबर में 8.7 फीसदी के उच्च स्तर पर पहुंचने के बाद नवंबर, 2024 में घटकर 8 फीसदी रह गई। इस दौरान बेरोजगारों की संख्या में 34 लाख की बड़ी गिरावट देखने को मिली, जबकि रोजगार सिर्फ पांच लाख लोगों को ही मिला।सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकनॉमी (सीएमआईई) की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले माह घटने के बावजूद बेरोजगारी दर अब भी अधिक है। नवंबर लगातार दूसरा महीना रहा, जब बेरोजगारी दर 8 फीसदी या उससे अधिक रही है। दिसंबर में भी इसके उच्च स्तर पर रहने का अनुमान है।"

देश में बेरोजगारी दर अक्टूबर में 8.7 फीसदी के उच्च स्तर पर पहुंचने के बाद नवंबर, 2024 में घटकर 8 फीसदी रह गई। इस दौरान बेरोजगारों की संख्या में 34 लाख की बड़ी गिरावट देखने को मिली, जबकि रोजगार सिर्फ पांच लाख लोगों को ही मिला। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकनॉमी (सीएमआईई) की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले माह घटने के बावजूद बेरोजगारी दर अब भी अधिक है। नवंबर लगातार दूसरा महीना रहा, जब बेरोजगारी दर 8 फीसदी या उससे अधिक रही है। दिसंबर में भी इसके उच्च स्तर पर रहने का अनुमान है।

30 लाख लोगों ने बंद की काम की तलाश

रिपोर्ट में कहा गया है कि 34 लाख लोगों में से करीब 30 लाख ने रोजगार की तलाश बंद कर दी। हालांकि, ये 30 लाख लोग दिसंबर में रोजगार की तलाश में आसानी से श्रमबल में वापस आ सकते हैं। इनमें से करीब 10 लाख लोग बेरोजगारों की श्रेणी में आ गए हैं। इसका मतलब है कि वे काम करने के लिए तैयार हैं, लेकिन सक्रिय रूप से रोजगार नहीं ढूंढ़ रहे हैं। दिसंबर में श्रमबल में वृद्धि होने के कारण श्रम बाजारों पर अतिरिक्त रोजगार देने का दबाव होगा। रोजगार बढ़ने के बावजूद दिसंबर में बेरोजगारी दर 8 फीसदी से अधिक रह सकती है।

रोजगार मिलने की दर चौथे महीने भी घटी

पिछले महीने रोजगार मिलने की दर में मामूली गिरावट देखने को मिली और यह अक्तूबर के 37.56 फीसदी से घटकर 37.55 फीसदी रह गई। रोजगार मिलने की दर में यह लगातार चौथे महीने गिरावट है। अगस्त में यह दर 38 फीसदी रही थी।

चालू वित्त वर्ष में बेरोजगारी दर 8.1 फीसदी

चालू वित्त वर्ष के पहले आठ महीनों में बेरोजगारी दर 8.1 फीसदी और 2023-24 में 8.1 फीसदी रही थी। बीते वित्त वर्ष में रोजगार मिलने की दर 37.1 फीसदी रही।

महाराष्ट्र में सीएम की कुर्सी देवेंद्र फडणवीस के हाथों, जानें 5 बातें

"महाराष्ट्र में महायुति की प्रचंड जीत के बाद अब बीजेपी नेता देवेंद्र फडणवीस मुख्यमंत्री की कुर्सी संभालेंगे। विधायक दल की बैठक में देवेंद्र फडणवीस के नाम पर मुहर लगी। केंद्रीय पर्यवेक्षकों की मौजूदगी में कोई और नाम सामने नहीं आया। 2024 के विधानसभा चुनावों में महायुति की प्रचंड जीत के बाद देवेंद्र फडणवीस द्वारा 1 दिसंबर, 2019 को विधानसभा में दिया गया बयान में समंदर हूं लौटकर आऊंगा सुर्खियों हैं। महायुति के पक्ष में प्रचंड जनादेश के बाद फडणवीस मुख्यमंत्री की कुर्सी पर वापसी किया। 22 साल की उम्र में नगर सेवक बने फडणवीस महाराष्ट्र में बीजेपी के सबसे बड़े नेता है।"

जानिए देवेंद्र फडणवीस से पांच दिलचस्प तथ्य

1. देवेंद्र फडणवीस के बारे में कहा जाता है कि 'आरएसएस मैन इन बीजेपी' लेकिन जिस तरह से उन्होंने अपनी राजनीतिक यात्रा में कौशल दिखाए हैं इसके बाद कहा जाने लगा है कि बीजेपी मैन इन आरएसएस। देवेंद्र फडणवीस एक वकील और प्रतिबद्ध आरएसएस सदस्य के रूप में प्रशिक्षित हैं। वह नागपुर दक्षिण पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र से लगातार छह बार जीत चुके हैं। यह उनकी स्थानीय लोकप्रियता का सबूत है।

2. 54 साल के देवेंद्र फडणवीस ने बचपन में इंदिरा कॉन्वेंट में पढ़ाई जारी रखने से इनकार कर दिया था। उन्होंने उस स्कूल को अस्वीकार कर दिया जिसका नाम प्रधानमंत्री के नाम पर रखा गया था। इसके बाद उनके पिता को कैद कर लिया था। बाद में फडणवीस ने सरस्वती विद्यालय में स्थानांतरित होने का फैसला लिया था। इसके बाद आगे चलकर एबीवीपी से जुड़े।

बाद में भारत के सबसे अमीर राज्य के मुख्यमंत्री बने। इंदिरा कॉन्वेंट स्कूल न जाने के पीछे की वजह का खुलासा खुद फडणवीस ने किया था। तब उन्होंने कहा था कि वह जब पहली क्लास में पढ़ते थे तब आपातकाल के दौरान इंदिरा जी ने उनके पिता को 2 साल जेल में रखा था। फडणवीस ने कहा था कि पांच साल का बच्चा होने के नाते मुझे तो यही पता था कि मेरे पिता को जेल में डालने वाली इंदिरा जी हैं। इसीलिए मैंने घर आकर मां से कहा जिस इंदिराजी ने मेरे पिताजी को जेल में डाला उस स्कूल में नहीं जाऊंगा।

3. देवेंद्र फडणवीस पांच दिसंबर को राज्य के मुख्यमंत्री की तीसरी बार शपथ लेंगे। वह राज्य में सीएम रहने के बाद डिप्टी सीएम और अब फिर सीएम बनने जा रहे हैं।

फडणवीस 27 वर्ष की आयु में नागपुर के सबसे युवा महापौर बने थे।

4. फडणवीस ब्राह्मण होने के बाद मुख्यमंत्री बने और अब दूसरे कार्यकाल के मुख्यमंत्री चुने गए हैं। 2024 के चुनावों में फडणवीस ने आरएसएस के संयुक्त महासचिव अतुल लिमये के साथ मिलकर मतदाताओं से जुड़ने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नारे एक हैं तो सेफ हैं का प्रभावी ढंग से इस्तेमाल किया। फडणवीस ने मौलाना सज्जाद नोमानी की 'वोट जिहाद' टिप्पणी के जवाब में 'धर्म युद्ध' को स्लोगन दिया। जो काम कर गया।

5. फडणवीस की नेतृत्व शैली ने उन्हें व्यापक सम्मान दिलाया। 2014 में मुख्यमंत्री के रूप में उनका पहला कार्यकाल मराठा आरक्षण मुद्दे जैसी प्रमुख चुनौतियों को संबोधित करने, मुंबई-नागपुर समृद्धि महामार्ग जैसी महत्वाकांक्षी परियोजनाओं को शुरू करने और पुलिस सुधारों की शुरुआत करने के लिए जाना जाता था। फडणवीस ने भ्रष्टाचार से लड़ने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दिखाते हुए सिंचाई घोटाले को उजागर करके अपनी साख को और मजबूत किया। मुंबई मेट्रो, मुंबई कोस्टल रोड, अटल सेतु-मुंबई को न्हावा शेवा से जोड़ने वाला 22 किलोमीटर लंबा पुल-कुछ महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचा परियोजनाएं हैं। जो उनकी दृष्टि थीं।

जब आनंद कुमार ने बताए सफलता के मूलमंत्र

सेल्फ स्टडी करने और धैर्य रखने वाले साधारण व्यक्ति को निश्चित मिलती है सफलताः सुपर 30 आनंद कुमार

नवगुरूकुल के छात्र-छात्राओं का बढ़ा हौंसला, बाधा को पार करते हुए उंचाईयों पर पहुंचने के बताए गुर

छात्र-छात्राओं ने आनंद कुमार के साथ ली सेल्फी, खिंचाई ग्रुप फोटो

जाने-माने शिक्षाविद, प्रसिद्ध गणितज्ञ एवं सुपर 30 के आनंद कुमार रायपुर के नवगुरूकुल में छात्र-छात्राओं के बीच पहुंचे। आनंद कुमार ने छात्र-छात्राओं को सफलता हासिल करने के मूलमंत्र बताए। आनंद कुमार ने कहा कि सेल्फ स्टडी करने और व्यक्ति को धैर्य रखने से निश्चित ही बड़ी सफलता मिलती है। आनंद ने कहा कि संघर्ष करके बाधाओं को पार करने में बेहद प्रसन्नता महसूस होती है। उन्होंने नवगुरूकुल के छात्र-छात्राओं से कहा कि आप जैसे युवाओं में कुछ कर गुजरने और आंखों में चमक कुछ पाने की चाहता दिखाई देती है। आंनद ने कहा कि कभी भी बड़ा सपना देखना चाहिए और हर परिस्थितियों में समझौता भी नहीं करना चाहिए। जिद भी व्यक्ति के भीतर होनी चाहिए, तब उन्हें सफल होने से कोई रोक नहीं सकता। उन्होंने कहा कि रास्ते खुद से खोजें। पढ़ाई में किसी भी चीज को रटने का काम नहीं करना चाहिए। क्यों के सवाल को ढूंढे। इससे आपके जीवन में क्रांतिकारी बदलाव आएगा।

आनंद कुमार ने अपने अनुभव शेयर करते हुए युवाओं से कहा कि मनुष्य में आत्मविश्वास कमी नहीं होनी चाहिए। हर दिन बेहतर करने की सोच होनी चाहिए। संघर्ष करना भी कभी नहीं छोड़ना चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि इंटरनेट पर तमाम टूल्स हैं, जिसका उपयोग भी सकारात्मक

चीजों के लिए कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी बाधा को दूर करने के लिए कड़ी मेहनत जरूरी है और मृदुभाषी भी बनना आवश्यक है। आनंद कुमार ने नवगुरूकुल में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धि हासिल करने पर शुभकामनाएं भी दी। उन्होंने कहा कि हमेशा कड़ी मेहनत कीजिए और नई उंचाईयों को छूने की ताकत रखिए। इस दौरान आनंद कुमार ने नवगुरूकुल के छात्रा-छात्राओं के साथ सेल्फी भी खिंचाई।

युवाओं के साथ खेली क्रिकेट

राजधानी रायपुर पहुंचे सुपर 30 के आनंद कुमार तेलीबांधा स्थित मल्टीपरपस गेम जोन में पहुंचे। वहां पर युवाओं के साथ क्रिकेट खेला। आनंद कुमार ने बच्चों से बातचीत की और उन्हें शुभकामनाएं भी दी। इस दौरान उन्होंने कहा कि मल्टीपरपस गेम जोन में देर रात को क्रिकेट खेलने का खूब आनंद आया। साथ ही आनंद कुमार ने युवाओं का हौंसला बढ़ाया। उन्होंने मल्टीपरपस गेम जोन बनाने पर जिला प्रशासन के कार्यों की सरहाना भी की। उल्लेखनीय है कि नगर निगम द्वारा शहरी क्षेत्र के ओव्हरब्रिज के नीचे 9 स्थानों पर मल्टीपरपस गेम जोन तैयार किया है।

क्या आप भी रील्स के जाल में फंसते चले जाते हैं?

मीम्स देखते-देखते क्या आप मन नहीं भरता? इंस्ट्रग्राम रील्स या टिकटॉक पर क्या आप घंटों तक बिना सोचे-समझे स्क्रॉल करते रहते हैं? अंग्रेजी की प्रतिष्ठित ऑक्सफर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस डिक्शनरी में अब इसके लिए एक शब्द है! ये शब्द है ब्रेन रॉट. ब्रेन रॉट एक ऐसा शब्द है, जो सोशल मीडिया पर बेकार ऑनलाइन सामग्री को ज्यादा देखने के असर को लेकर चिंता जताता है. इसका उपयोग 2023 से 2024 के बीच 230% बढ़ गया हैं।

मनोवैज्ञानिक और ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर एंड्रयू प्रिजबिल्स्की का कहना है कि इस शब्द की लोकप्रियता 'हमारे समय की सच्चाई को दिखाती है, ब्रेन रॉट' ने डिक्शनरी पब्लिशर की शॉर्टलिस्ट में शामिल पांच अन्य शब्दों को पीछे छोड़ दिया, जिनमें 'डिम्योर' रोमांटैसी और 'डायनामिक प्राइसिंग' जैसे शब्द शामिल हैं।

'ब्रेन रॉट' का मतलब है किसी व्यक्ति की मानसिक या बौद्धिक स्थिति का कथित रूप से बिगड़ना, इसे बेकार या बेहद आसानी से समझ आने वाली सामग्री के ज्यादा इस्तेमाल का नतीजा माना जाता है. पहली बार ब्रेन रॉट का इस्तेमाल इंटरनेट के बनने से बहुत पहले दर्ज किया गया था. इसे 1854 में हेनरी डेविड थॉरो ने अपनी किताब वाल्डेन में लिखा था. वो समाज की उस आदत की आलोचना करते हैं, जो जटिल विचारों को कम अहमियत देती है और इसे मानसिक और बौद्धिक गिरावट का हिस्सा मानते हैं. इस पर वो सवाल करते हैं, श्इंग्लैंड आलुओं को सड़ने से रोकने की कोशिशों में लगा है लेकिन क्या कोई ब्रेन रॉट को ठीक करने की कोशिश नहीं करेगा. क्योंकि ये समस्या कहीं ज्यादा व्यापक और घातक है, ये शब्द सबसे पहले सोशल मीडिया पर जेन जी और ज़ेन अल्फा के बीच लोकप्रिय हुआ, लेकिन अब इसे आमतौर पर इस्तेमाल किया जा रहा है ताकि सोशल मीडिया पर मिलने वाले बेकार कॉन्टेंट को नाम दिया जा सके, प्रोफेसर प्रिजबिल्स्की का कहना है, "इसका कोई सबूत नहीं है कि ब्रेन रॉट जैसी कोई चीज होती भी है।" ये ऑनलाइन दुनिया के लिए हमारी नाराजगी दिखाता है और ऐसा शब्द है जिससे हम सोशल मीडिया को लेकर अपनी चिंताओं को बयां करते हैं। ऑक्सफोर्ड लैंग्वेजेज के अध्यक्ष कैस्पर ग्रैथवॉल कहते हैं कि पिछले दो दशकों के ऑक्सफोर्ड वर्ड ऑफ द ईयर को देखने पर श्आप कह सकते हैं कि हमारा ध्यान धीरे-धीरे इस बात पर केंद्रित हो रहा है कि हमारी वर्चुअल जिंदगी कैसे बदल रही है और इंटरनेट संस्कृति हमारे व्यक्तित्व और बातचीत का कितना बड़ा हिस्सा बन रही है। वो कहते हैं, पिछले साल जिस शब्द को चुना गया था, वो था 'रिज', जो इस बात का दिलचस्प उदाहरण था कि कैसे भाषा अब ऑनलाइन समुदायों में बनती, ढलती और साझा होती है।

लंग कैंसर से जुड़ी बातें, जो आपको जाननी चाहिए?

"धूम्रपान ही लंग कैंसर होने की सबसे बड़ी वजह मानी जाती है. इस कैंसर से जूझने वाले 80 फीसदी मरीजों में सिगरेट और तंबाकू का सेवन करने वाले लोग ही शामिल हैं, हालांकि बाकी 20 प्रतिशत में वो लोग हैं, जो इन दोनों चीजों का सेवन नहीं करते हैं, यह सच है।
इसलिए, यह संभव है कि ऐसे लोगों को भी लंग कैंसर हो सकता है, जो सिगरेट नहीं पीते, तंबाकू नहीं खाते, बहुत ज्यादा प्रदूषण वाले इलाके में नहीं रहते या फिर किसी खदान में काम भी नहीं करते। नवंबर में लंग कैंसर से संबंधित जागरूकता कार्यक्रम चलाया जाता है. इस मौके पर जानिए लंग कैंसर से जुड़ी हर वो बात, जो आपको जानना चाहिए।"

फेफड़े मानव शरीर के श्वसन तंत्र का हिस्सा हैं. मतलब, फेफड़े इंसान को सांस लेने में मदद करते हैं। यह मानव शरीर में फिल्टर्स के तौर पर काम करते हैं. जब हम सांस लेते हैं, तो हवा के साथ-साथ कुछ गैसें जैसे- नाइट्रोजन, कार्बन डाइऑक्साइड और ऑक्सीजन, फेफड़े इन गैसों में से ऑक्सीजन को फिल्टर करके शरीर तक पहुंचाते हैं और बाकी गैसों को बाहर कर देते हैं, लंग सेल्स (फेफड़ों की कोशिकाएं) लगातार काम करती हैं. जब वो क्षतिग्रस्त हो जाती हैं, तो खुद-ब-खुद ठीक होना शुरू कर देती हैं. डॉक्टर अंबरीश चटर्जी कहते हैं, "मगर, जब मानव शरीर का सामना बाहरी रसायनों जैसे धूम्रपान से होता है, तो इससे लंग सेल्स (फेफड़े की कोशिकाएं) नष्ट हो जाते हैं, लंबे समय तक धूम्रपान करने या इसके बीच में रहने के दौरान लंग सेल्स नष्ट हो जाते हैं, इसके बाद कोशिकाओं का खुदको ठीक करने का सिस्टम बदल जाता है और फिर कोशिकाएं घातक सेल्स बनाने लगती हैं, ये सेल्स हमारे सांस लेने की प्रक्रिया को प्रभावित करते हैं।"

तंबाकू और धूम्रपान

भारत में लंग कैंसर का सबसे बड़ा कारण तंबाकू और धूम्रपान है। 10 में से 9 मरीजों में कैंसर की वजह यही होती है। दरअसल, धूम्रपान के जरिए मनुष्य के फेफड़ों में हजारों घातक रसायन पहुंच जाते हैं। इनमें से कई कैंसर की वजह बनते हैं, बल्कि चबाने वाली तंबाकू भी कैंसर होने की आशंका को बढ़ा देती है। इसके अलावा, पेसिव स्मोकिंग भी लंग कैंसर की वजह बन जाती है। जैसे- आप किसी ऐसे व्यक्ति के पास खड़े हों, जो सिगरेट या बीड़ी पी रहा हो तो आपको भी कैंसर होने की आशंका बढ़ जाती है। ब्रिटेन में कैंसर रिसर्च के प्रमुख चिकित्सक चार्ल्स स्वेंटोन भी इस बात का समर्थन करते हैं। वह कहते हैं, "धूम्रपान न करने वालों को भी लंग कैंसर हो जाना कोई छोटी बात नहीं है। मेरे काम करने के दौरान 5-10 फीसदी मरीज ऐसे रहे हैं, जिन्हें लंग कैंसर हुआ, लेकिन उन्होंने कभी धूम्रपान नहीं किया था।"

वायु प्रदूषण

भारत बड़े स्तर पर वायु प्रदूषण से जूझ रहा है। खासतौर पर बड़े शहरों में, ट्रैफिक जाम, उद्योगों से निकलने वाला रासायनिक कचरा, कचरा जलाने से निकलने वाले अवशेष लंग सेल्स को नुकसान पहुंचाते हैं और कैंसर होने की आशंका को बढ़ा देते हैं. एम्स दिल्ली में सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग के प्रोफेसर डॉक्टर एवीएस देव भी ऐसी ही राय रखते हैं. वह कहते हैं, "यह सच है कि तंबाकू का सेवन और धूम्रपान लंग कैंसर होने के सबसे बड़े कारणों में से एक है, मगर, वायु प्रदूषण भी धूम्रपान न करने वालों के लिए कैंसर होने की एक वजह बन सकता है, रेडॉन एक रेडियोएक्टिव गैस है, जो किसी निर्माणस्थल पर पाई जाती है. या फिर किसी तरह की मिट्टी में, यदि लंबे समय तक व्यक्ति ऐसे किसी इलाक़े में रहता है, तो उसको लंग कैंसर होने की आशंका बढ़ती है।

पेशे के कारण पैदा होने वाला ख़तरा

लंग कैंसर होने का एक कारण आपके काम करने का स्थान भी हो सकता है. कुछ उद्योगों में काम करने वाले कर्मचारी इस कैंसर से पीड़ित हो सकते हैं. जैसे ख़दान का काम और रसायन उत्पादन, या फिर वो नॉन स्मोकर लोग जो किसी रेस्त्रां या बार में जाते हैं। इन सभी लोगों को लंग कैंसर होने का ख़तरा सबसे ज्यादा होता है। इसके अलावा जेनेटिक्स (आनुवांशिकी) भी लंग कैंसर का एक कारण हो सकता है। डॉक्टर चटर्जी कहते हैं, "ऐसे भी कुछ मामले देखने में आए हैं, जहां जेनेटिक्स के कारण धूम्रपान न करने वाले भी लंग कैंसर का शिकार हो गए।

लंग कैंसर के लक्षण

दुनियाभर में कैंसर के कारण होने वाली मौतों में सबसे बड़ा कारण लंग कैंसर है, महिला और पुरुष दोनों में होने वाली मौतों की सबसे बड़ी वजह लंग कैंसर ही मानी जाती है। लंग कैंसर होने का सबसे बड़ा कारण धूम्रपान है. यह 85 फीसदी मामलों में लंग कैंसर की वजह है। लंग कैंसर के कई लक्षण होते हैं, जो फेफड़े में होने वाली समस्याओं की ओर इशारा कर सकते हैं।

सबसे ज्यादा सामान्य लक्षण

कफ कभी ख़त्म नहीं होना।

सीने में दर्द बना रहना।

सांस बार-बार छूटना।

खून का पतला होना।

थकान होना।

बिना किसी कारण वजन कम होना।

फेफड़ों में संक्रमण बार-बार होना।

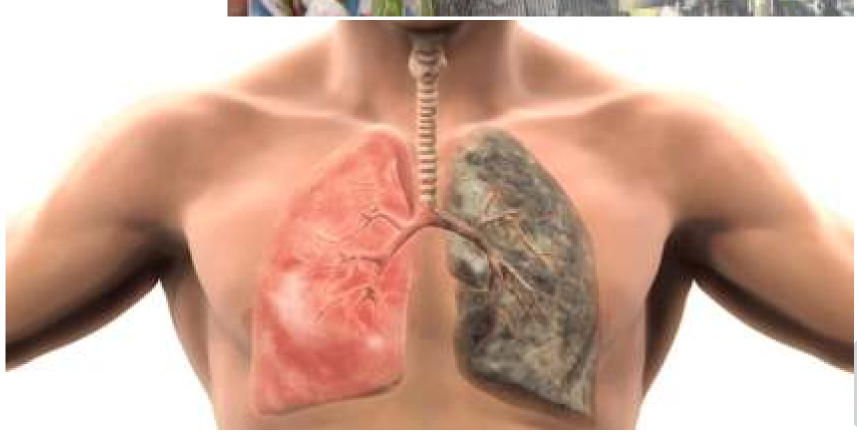

अब मिटी दूरियां, घर पर ही मिल रहा 24 घंटे पानी

"पानी जीवन का आधार है, पानी की कमी से जूझते ग्रामीण जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल-हर घर जल के माध्यम से अब राहत की सांस ले रहे हैं। राज्य सरकार की जल जीवन मिशन योजना ने कोरिया जिले के हजारों घरों में स्वच्छ पेयजल पहुंचने लगा है। इससे ग्रामीणों की दिनचर्या में बड़ा बदलाव आया है।"

सपना हुआ साकारः सुंदरी की मुस्कान में छलकी खुशी

सोनहत विकासखंड के पोड़ी ग्राम पंचायत के श्रीमती सुंदरी के लिए यह योजना किसी वरदान से कम नहीं। पहले उन्हें दूरदराज के कुओं और तालाबों से पानी लाना पड़ता था, जिससे न केवल समय, बल्कि मेहनत भी बहुत लगती थी। लेकिन अब घर में लगे नल से साफ पानी मिलने से उनकी जिंदगी आसान हो गई है। वे कहती हैं, अब मुझे बच्चे को छोड़कर पानी लाने की चिंता नहीं करनी पड़ती। यह सरकार का बड़ा उपहार है।

किचकिच से मुक्तिः मानसिंह का बदला जीवन

ग्राम कछवाखोह के मानसिंह बताते हैं कि उनके लिए घर में नल लगने का सपना कभी हकीकत नहीं लग रहा था। पानी की किल्लत और आपसी झगड़ों ने उनके जीवन को कठिन बना रखा था। लेकिन जल जीवन मिशन के तहत उनके घर तक नल कनेक्शन पहुंचा, और अब पानी की किचकिच से छुटकारा मिल गया है। मानसिंह भावुक होकर कहते हैं, यह हमारे लिए किसी चमत्कार से कम नहीं।

उपलब्धि - स्वच्छ और सुरक्षित पानी की सुविधा

13 गांवों में 1477 घरों तक नल कनेक्शन पहुंच चुका है और हजारों ग्रामीणों को स्वच्छ और सुरक्षित पानी की सुविधा मिल रही है। कलेक्टर द्वारा लगातार इसकी मॉनिटरिंग की जा रही है जहाँ खामियां है, उसे दूर किया जा रहा है और जिले के अन्य गांवों व घरों में भी शीघ्र नल कनेक्शन व पानी मिले इस पर कार्य किया जा रहा है। जल जीवन मिशन के माध्यम से ग्रामीण इलाकों में न केवल पानी की समस्या का समाधान किया है, बल्कि उनके जीवन स्तर को भी ऊंचा उठाया है।

यह योजना न केवल जल संकट से राहत दिला रही है, बल्कि स्वास्थ्य, स्वच्छता और समय की बचत जैसे कई आयामों में ग्रामीणों की जिंदगी को बेहतर बना रही है।

घरों में पहुंच रहा नल से जल

उदयपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत खुझी के लोग अब बहुत खुश हैं, क्योंकि उनके गांव के हर घर में पेयजल उपलब्ध हो गया है। शासन की जनकल्याणकारी योजना “जल जीवन मिशन“ अंतर्गत हर घर-नल कनेक्शन से शत-प्रतिशत घरों में शुद्ध जल पहुंच रहा है। शासन द्वारा ग्राम खुझी को “हर घर जल ग्राम“ घोषित कर दिया गया है। इसके लिए ग्रामीणों ने शासन का धन्यवाद ज्ञापित कर आभार व्यक्त किया है। जल जीवन मिशन के तहत खुझी गांव के लिए एक उच्चक्वालिटी टंकी निर्माण किया गया है, जिसकी क्षमता 40000 लीटर है। इस गांव के कुल 61 परिवारों में घरेलू नल कनेक्शन दिया गया, जिसमें निवासरत 318 लोगों के पानी की समस्या दूर हो गई है। घरों-घर पानी पहुंचने से ग्राम की महिलाओं में खुशी की लहर सी आ गई है, क्योंकि सबसे ज्यादा समस्या महिलाओं को ही होती थी। घर का सारा काम कर उन्हें पानी लाने बाहर जाना पड़ता था।

महिलाओं ने बताया कि हमें पानी के लिए दूर पैदल चलकर जाना पड़ता था, तब जाकर नदी, ढोढी या कुएं से पानी ला पाते थे। लेकिन अब जल जीवन मिशन से उन्हें घर पर ही नल के माध्यम से पर्याप्त मात्रा में शुद्ध पानी मिल रहा है, जिससे उनके समय की बचत भी हो रही है। इससे ग्रामवासियों के स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्या में भी सुधार आया है, साथ ही जीवनशैली में भी सकारात्मक परिवर्तन आया है। शुद्ध पेयजल की सुविधा पूरे गाँव में खुशहाली लेकर आयी है।

केले के रेशों से बुना सपनों का ताना-बाना

आजीविका मिशन से जुड़कर लखपति दीदी अनुसुईया ने रचे सफलता के नए आयाम

मध्यप्रदेश का बुरहानपुर केले की खेती के लिए प्रसिद्ध है, अब अपने नवाचारों के लिए भी जाना जा रहा है। यहां की महिलाओं ने अपने हुनर से न केवल अपने जीवन को संवारा, बल्कि जिले का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। इन महिलाओं में से एक हैं एकझिरा गांव की अनुसुईया चौहान, जिन्होंने केले के तने के रेशे से टोपी बनाकर लंदन तक अपनी पहचान बनाई है। बुरहानपुर में आयोजित बनाना फेस्टिवल ने अनुसुईया दीदी को नई ऊर्जा और प्रेरणा दी।

आजीविका मिशन ने दी नई दिशा

अनुसुईया दीदी का जीवन बदलने की कहानी आजीविका मिशन से शुरू होती है। लव-कुश स्व- सहायता समूह से जुड़ने के बाद उन्होंने केले की खेती के साथ-साथ केले के तने का भी उपयोग करना शुरू किया। मिशन के सहयोग से उन्होंने रेशा निकालने की मशीन खरीदी और तने से रेशा निकालकर टोपी बनाने का काम शुरू किया।

केले के तने से रेशा निकालने, उसे सुखाने और बुनाई करने के बाद विभिन्न आकार और डिजाइन की टोपियाँ तैयार की जाती हैं। इन टोपियों की कीमत 1100 से 1200 रुपये तक होती है। अनुसुईया दीदी अपने परिवार के साथ मिलकर यह कार्य करती हैं।

इस काम से न केवल उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है, बल्कि उन्होंने अन्य महिलाओं को भी प्रेरित किया है।

लंदन में बनाई पहचान

अनुसुईया दीदी द्वारा बनाई गई टोपियाँ लंदन तक पहुँची हैं। लालबाग क्षेत्र के परिवार के सदस्यों ने यह टोपियाँ खरीदीं और विदेश तक पहुँचाया। यह कहानी इस बात का प्रमाण है कि यदि सही दिशा और प्रोत्साहन मिले, तो स्थानीय उत्पाद अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी छाप छोड़ सकते हैं।

सरकार के प्रयास और महिलाओं का आत्मनिर्भर सफर

बुरहानपुर जिले में सरकार की मंशा के अनुसार, स्व सहायता समूह की महिलाओं को 'लखपति दीदी' बनाने का प्रयास जारी है। अनुसुईया दीदी इस सपने को साकार करने वाली मिसाल बन चुकी हैं। उनका कहना है, ष्जब हुनर को सही मंच मिलता है, तो सपने भी साकार होते हैं।ष आज वे महिलाओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत बन गई हैं। उनका सफर इस बात का उदाहरण है कि कैसे नवाचार और मेहनत से आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ाए जा सकते हैं।

महाराष्ट्र की कमान देवेंद्र फडणवीस के हाथ

◦ एकनाथ शिंदे और अजित पवार ने ली उपमुख्यमंत्री पद की शपथ

महाराष्ट्र को अपना नया मुख्यमंत्री मिल चुका है। देवेंद्र फडणवीस ने महाराष्ट्र के सीएम पद की शपथ ले ली है। बता दें कि इस कार्यक्रम का आयोजन महाराष्ट्र के आजाद मैदान में किया गया। आजाद मैदान के बाहर भाजपा, शिवसेना और एनसीपी के होर्डिंग्स भर-भर कर लगाए गए हैं। शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, अमित शाह, पार्टी अध्यक्ष जेपी न%ा समेत केंद्र सरकार के कई मंत्री, बीजेपी शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री समेत कई वीवीआईपी शामिल हुए।

एकनाथ शिंदे और अजित पवार ने ली शपथ

इसके बाद दूसरे स्थान पर शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे और तीसरे स्थान पर एनसीपी प्रमुख अजित पवार ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। बता दें कि महाराष्ट्र में हुए विधानसभा चुनाव में महायुति को बंपर जीत मिली थी। ऐसे में कई बैठकों के बाद यह तय हुआ कि एकनाथ शिंदे सीएम पद छोड़ेंगे। कयास लगाए जा रहे थे कि एकनाथ शिंदे डिप्टी सीएम नहीं बनेंगे। हालांकि महायुति घटक दलों के नेताओं और शिवसैनिकों के अनुरोध पर एकनाथ शिंदे ने डिप्टी सीएम के पद को स्वीकार कर लिया। इसे लेकर एकनाथ शिंदे ने कहा था कि इससे पहले देवेंद्र फडणवीस ने मेरी मदद की थी सीएम बनने में। आज मैं देवेंद्र फडणवीस की मदद कर रहा हूं। वहीं अजित पवार ने कहा था कि महायुति की सरकार चलाने में हम अपना शत प्रतिशत देंगे।

शपथ ग्रहण समारोह में कौन-कौन पहुंचा?

देवेंद्र फडणवीस, एकनाथ शिंदे और अजित पवार के शपत ग्रहण समारोह में अलग-अलग राज्यों के मुख्यमंत्रियों, कैबिनेट मंत्रियों व अन्य नेताओं के अलावा फिल्मी, खेल जगत व उद्योग जगत के सितारे भी पहुंचे। इस कार्यक्रम में मुकेश अंबानी, अनंत अंबानी, देवेंद्र कुमार उपाध्याय, श्रीराम नेने, माधुरी दीक्षित, विक्की कौशल, खुशी कपूर, रूपा गांगुली, शालिनी पिरामल, सिद्धार्थ रॉय, नीता अंबानी, राधिका अंबानी, नोअल टाटा, दीपक पारीख, कुमार मंगलम बिरला, अजय पीरामल, उदय कोटक, शाहरुख खान, सलमान खान, सचिन तेंदुलकर, अंजलि तेंदुलकर, दिलीप संघवी, अनिल अंबानी, रणबीर कपूर, रणबीर सिंह, गीतांजलि किरलोस्कर, मानसी किरलोस्कर, बीरेंद्र सराफ, रोहित शेट्टी, बोनी कपूर, एकता कपूर, श्रद्धा कपूर, जय कोटक, विक्रांत मैस्सी, जयेश शाह शामिल होने के लिए पहुंचे।

ठंड में छत्तीसगढ़ के टूरिज्म का लीजिए आनंद

चारों तरफ है घूमने का इलाका

सर्दी के मौसम में अगर आप छत्तीसगढ़ में कही घूमने का प्लान बना रहे है। तो ये बेहतरीन जगह एकदम सही है। महानदी पर स्थित गंगरेल बांध छत्तीसगढ़ का सबसे बड़ा बांध है। प्रशासन ने इसे मिनी गोवा की तरह डेवलप किया है। यहां जेट स्कीइंग, वाटर सर्फिंग, वाटर स्कीइंग, स्कूबा डाइविंग, सेलिंग, पैरासेलिंग और काइट सर्फिंग जैसे वाटरस्पोर्ट्स के लिए एकदम सही है। चित्रकोट जलप्रपात हर मौसम में बेहद दर्शनीय और ठंडा रहने वाला पर्यटन स्थल है। इंद्रावती नदी पर विशाल झरना बहती है। छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में कांगेर घाटी पर स्थित तीरथगढ़ जलप्रपात लगभग 300 फीट की ऊंचाई से गिर रहे कई झरनों का समूह है। जगदलपुर शहर से 35 किलोमीटर की दूरी पर स्थित यह झरनों का समूह गर्मियों के समय में घूमने के लिए एक बेस्ट पिकनिक स्पॉट है। अम्बिकापुर से 75 किलोमीटर की दूरी पर स्थित मैनपाट एक बेहद खूबसूरत हिल स्टेशन है। यह विंध्य पर्वतमाला से जुड़ा हुआ है। नारायणपुर के अंतागढ़-आमाबेड़ा वन मार्ग पर पिंजारिन घाटी में स्थित चर्रे-मर्रे एक शानदार 50 फुट ऊंचा झरना है। यह जोगी नदी से जुड़ा हुआ एक ठंडा और तारो ताजा कर देने वाला पर्यटन स्थल है। मदकू द्वीप मुंगेली जिले में शिवनाथ नाम की एक शांत सुंदर नदी के पास स्थित है। इस क्षेत्र में छह शिव मंदिर, ग्यारह स्पार्तलिंग मंदिर, एक उमा-महेश्वर और गरुड़रुधा लक्ष्मी-नारायण मंदिर की खोज की जा चुकी है। पिल्खा पहाड़ एक ऐतिहासिक स्थल है। पहाड़ में एक कुंड स्थित है जिसमें प्राकृतिक जल स्त्रोत से पानी का उद्गम हो रहा है।

छत्तीसगढ़ के सबसे फेमस पर्यटन स्थल

रायपुर से 100 और महासमुंद जिले से 45 किलोमीटर दूर बारनवापारा का वाइल्ड लाइफ सेंचूरी छत्तीसगढ़ के सबसे फेमस पर्यटन स्थलों में से एक है। महासमुंद के उत्तरी भाग में स्थित 245 वर्ग किमी के भाग में फैला बारनवापारा अभ्यारण्य छत्तीसगढ़ की प्राकृतिक सुंदरता को दर्शाता है। यहां वन्य जीवों को आप देख सकते है। बता दें कि यह सेंचूरी हफ्ते के सातों दिन खूली होती है।

छत्तीसगढ़ का शिमला

मैनपाट सरगुजा जिले में आता है। अंबिकापुर से 50 किलोमीटर की दूरी पर मैनपाट की सुंदर पहाड़ी है। ठंड के दिनों में मैनपाट का नजारा और भी सुंदर हो जाता है। ठंड के मौसम में यहां का टेम्प्रेचर शून्य से भी नीचे हो जाता है। इसलिए ठंड के दिनों में यह लोगों का फेवरेट टूरिस्ट डेस्टिनेशन बन जाता है। बता दें आपको बता दें कि मैनपाट को छत्तीसगढ़ का शिमला भी कहा जाता है। यहां बसे तिब्बती शरणार्थी इस जगह को और भी शांतिपूर्ण और आकर्षक बनाते हैं।

नियाग्रा फॉल के रूप में पहचान

चित्रकोट जलप्रपात: भारत के नियाग्रा फॉल के रूप में पहचाना जाने वाला यह जलप्रपात छत्तीसगढ़ का मुख्य पर्यटन केन्द्र है। सालभर सैलानी यहां के नजारों का लुफ्त उठाने आते हैं। इंद्रावती नदी का पानी जब विधू की पहाड़ी श्रृंखलाओं से बहता हुआ चित्रकोट का निर्माण करता है। यह जगदलपुर से 39 किलोमीटर की दूरी पर है। 980 फीट चौड़ा वॉटर फॉल का पानी जब 98 फीट की ऊंचाई से गिरता है तो यह नजार देखने लायक होता है। चित्रकोट फॉल इंद्रावती नदी पर है। जब फॉल का पानी नदी में गिरता है तो उसकी फुहार से सुंदर इंद्रधनुष बनता है। इसे देखने के लिए टूरीस्ट सिर्फ छत्तीसगढ़ से ही नहीं बल्की दूसरे प्रदेशों से भी आते हैं।

बड़े जलप्रपातों में से एक

हांदवाड़ा जलप्रपात: जगदलपुर का हांदवाड़ा जलप्रपात न सिर्फ छत्तीसगढ़ का बल्कि देश के सबसे बड़े जलप्रपातों में से एक है। घने जंगलों के अंदर करीब 500 फीट की ऊंचाई से गिरते इस वॉटरफॉल के नजदीक अब तक बहुत कम लोग पहुंच पाए हैं। पर यह वाटरफॉल लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता है। ठंड के मौसम में इसका नजारा लोगों को बहुत लुभाता है।

पर्यटकों के फेवरेट प्लेस में नया नाम

बुका और सतरेंगा: कोरबा जिले का 'बुका' पर्यटकों के फेवरेट प्लेस में नया नाम है। इसे Golden Island Buka के नाम से डेवलेप किया गया है। अगर आप खूबसूरत वादियों के बीच घुड़सवारी करना चाहते हैं तो बुका आपको जरूर पसंद आएगा। आप यहां वॉटर स्पोर्ट्स, फ्लोटिंग रेस्टोरेंट, एडवेंचर स्पोर्ट्स और लग्जरी रिजॉर्ट का आनंद ले सकते हैं।

चिल्फी घाटी आपका फेवरेट डेस्टिनेशन

चिल्फी घाटी: अगर आप खतरनाक घाटियों में ड्राइविंग के शौकीन हैं, तो कवर्धा जिले का चिल्फी घाटी आपका फेवरेट डेस्टिनेशन हो सकता है। घने जंगलों से घिरी घाटी में कई रोमांचित कर देने वाले मोड़ हैं। ठंड के दिनों में चिल्फी घाटी किसी हिल स्टेशन से कम नहीं लगता। बता दें कि ठंड के मौसम में यहां का तापमान इतना कम हो जाता है कि ओस की बूंदे जम जाती है। सुंदर घाटियों से घिरे इस ठंडी जगह पर आपको एक बार जरूर जाना चाहिए।

एथेनिक पर्यटन के रूप में पहचान

कांगेर वैली नेशनल पार्क: छत्तीसगढ के बस्तर जिले के कांगेर वैली नेशनल पार्क को राज्य के सबसे बड़े एथेनिक पर्यटन के रूप में पहचान मिले काफी साल हो गए हैं। यहां के जंगल बारहोंमास हरे भरे रहते हैं।

छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध अभ्यारण्य

अचानकमार वन्यजीव अभ्यारण्य: ठंड के समय आप परिवार और दोस्तों के साथ सैर करने और प्रकृति के करीब रहने के लिए अचानकमार वन्यजीव अभ्यारण्य भी जा सकते हैं। अचानकमार वन्यजीव अभ्यारण्य छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध अभ्यारण्य में से एक है। यह अभ्यारण्य बिलासपुर से 55 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

ठंड के वक्त घूमने जाने के लिए यह सबसे अच्छी जगह है। यहां वनस्पतीयों, जंगली जानवरों, और पक्षियों की विभिन्न प्रजातियां देखने को मिलती है। जिसमें बाघ, तेंदुआ, जंगली सुअर, हिरण, अजगर आदि शामिल हैं।

10 पैंतरे से फंसा रहे जालसाज, जरा संभलकर रहिए

छत्तीसगढ़ में हर घंटे लगभग तीन लोग साइबर ठगी के शिकार हो रहे हैं। 2024 में 10 माह के भीतर दर्ज किए गए साइबर ठगी के 17 हजार 11 केसों के विश्लेषण में यह बात सामने आ रही है। पुलिस की जांच में सामने आया है ठगी का गढ़ माने-जाने वाले जामताड़ा गैंग की तर्ज पर ही राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा सहित अन्य राज्यों से ठगी की जा रही है।

ये हैं ठगी के 10 तरीके

डिजिटल अरेस्टः
स्कैमर पुलिस या कस्टम अधिकारी बनकर फोन करते हैं। जिसके बाद लोग डरकर स्कैमर को पैसे भेज देते हैं।

फिशिंग स्कैमः
नामचीन कंपनियों और सरकारी विभागों के नाम व लोगो का इस्तेमाल कर मैसेज भेजते हैं। फर्जी लिंक पर जानकारी देते ही खाते खाली कर देते हैं।

जाब स्कैमः
फर्जी नौकरियों की भर्ती के मैसेज व लिंक भेजते हैं। क्लिक कर आवेदन कर देते हैं। फीस या जॉइनिंग किट के नाम पर पैसे ऐंठ लेते हैं।

गलती से पैसे भेजने का स्कैमः
लोगों के पास रुपये क्रेडिट होने का फर्जी मैसेज भेजते हैं। फिर गलती से पैसे ट्रांसफर होने बात कहकर ठगी।

इमोशनल मैनिपुलेशन स्कैमः
मेट्रीमोनियल-डेटिंग एप या इंटरनेट मीडिया पर फेक प्रोफाइल बनाते हैं। फिर धीरे-धीरे बात कर रिश्ते में सीरियस होने की बात कहते हैं। इमरजेंसी होने की बात कर ठगी करते हैं।

लकी ड्रा स्कैमः
लाटरी या लकी ड्रा प्राइज विनर का मैसेज भेजते हैं। ठग राशि ट्रांसफर करने की बात कह कर पांच से 10 प्रतिशत टैक्स के तौर पर पैसे ऐंठ लेते हैं।

पार्सल स्कैमः
ठग लोगों को कॉल कर बताते हैं कि उनका कोई पार्सल आ रहा था, जिसमें ड्रग्स पाए जाने से उनका पार्सल जांच एजेंसी ने जब्त कर लिया है। लोग डरकर ठग को भेजे ट्रांसफर कर देते हैं।

कैश आन डिलिवरी स्कैमः
असली शापिंग एप जैसी मिलती-जुलती फर्जी वेबसाइट बनाते हैं। खरीदारी करने पर लोगों के पास फर्जी या गलत प्रोडक्ट पहुंचता है।

लोन व कार्ड स्कैमः
ठग वेबसाइट और इंटरनेट मीडिया पर कम दस्तावेजों में पर्सनल लोन व क्रेडिट कार्ड बनाने का दावा करते हैं। फीस की मांग करते है हैं जैसे ही रकम जमा होती है तो ठग संपर्क खत्म कर देते हैं।

इंटरनेट मीडिया पर बदनामीः
लड़की की मदद से लोगों को शिकार बनाते हैं। काल उठाते ही न्यूड लड़की नजर आती है। आपत्तिजनक वीडियो कॉल की रिकॉर्डिंग कर ली जाती है। बदनामी की धमकी देकर रिकॉर्डिंग के सहारे स्कैमर उन्हें निशाना बनाकर ठगी करते हैं।

केस स्टडी के माध्यम से समझें कैसे हो रही ठगी

केस 01:
72 घंटे बुजुर्ग डिजिटल अरेस्ट

राजधानी सहित प्रदेश में डिजिटल अरेस्ट के लगातार मामले आ रहे हैं। रायपुर में एक महीने में एक करोड़ से ज्यादा की ठगी हुई है। रायपुर की 58 वर्षीय महिला साइबर ठगों के जाल में फंस गई, जहां उसे 72 घंटे तक कथित 'डिजिटल अरेस्ट' में रखा गया। महिला को बताया कि आधार नंबर का उपयोग करके मुंबई के लुईसवाड़ी थाने में किसी इस्लाम नवाब मलिक नामक व्यक्ति ने 311 बैंक खाते खोले हैं, जिनका दुरुपयोग हो रहा है। इसके बाद फोन काल को कथित मुंबई क्राइम ब्रांच के अधिकारी से जोड़ दिया गया। इसके बाद महिला ने बैंक में जाकर 58 लाख रुपये बताए गए खाते में डाल दिए।

केस 02:
शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर ठगी

राजेंद्र नगर के लाविस्टा निवासी कारोबारी अभिषेक कुमार को अज्ञात व्यक्ति ने शेयर बाजार में निवेश करने पर भारी मुनाफा दिलाने का दावा किया। इसके बाद उन्हें व्हाट्सएप और टेलीग्राम ग्रुप में जोड़ा गया। ग्रुप में अलग-अलग कंपनियों में पैसा निवेश करने के बारे में मैसेज आने लगे।

बस्तर ओलंपिक ने वनांचल के युवाओं को दिया नया मंच

- युवाओं में बढ़ता विश्वास बस्तर ओलंपिक बना खास
- खेलों में बढ़ा उत्साह

> जनजातीय बाहुल्य और माओवाद प्रभावित बस्तर संभाग में खेल के माध्यम से विकास और संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा बस्तर ओलंपिक-2024 का आयोजन किया गया है। इस आयोजन को लेकर युवाओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है, जिसमें सुदूर गांवों से आए युवा अपने खेल कौशल का प्रदर्शन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस पहल को जनजातीय संस्कृति और पारंपरिक खेलों के संरक्षण के साथ ही, युवाओं को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण प्रयास बताया है।

नारायणपुर में हुए आयोजन में बोरावण्ड गांव से आए युवाओं ने बताया कि उन्हें इस कार्यक्रम में भाग लेकर अत्यधिक आनंद मिल रहा है। खिलाड़ियों ने बताया कि यहां उन्हें ठहरने, भोजन, पेयजल और ड्रेस जैसी सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। बोरावण्ड के खिलाड़ी जयसिंह, रजनु यादव, अमर सिंह मंडावी, सियालाल नाग और उनके साथी बस्तर ओलंपिक में अपने खेल को निखारने के इस अवसर के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अबूझमाड़ के सुदूर पहुंचविहीन गांव के प्रतिभावान युवाओं के खेल प्रतिभा को निखारने के लिए यह उनकी सराहनीय पहल है। उन्होंने बताया कि कबड्डी पुरुष वर्ग में उनकी टीम ने विकासखंड स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया, जिसके लिए उन्हें ट्रॉफी, मेडल और टीम को ड्रेस प्रदान किया गया। जिला स्तर के आगामी आयोजन के लिए उनकी टीम अत्यधिक उत्साहित है और श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए तैयार है।

नारायणपुर में हुए आयोजन में बोरावण्ड गांव से आए युवाओं ने बताया कि उन्हें इस कार्यक्रम में भाग लेकर अत्यधिक आनंद मिल रहा है। खिलाड़ियों ने बताया कि यहां उन्हें ठहरने, भोजन, पेयजल और ड्रेस जैसी सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। बोरावण्ड के खिलाड़ी जयसिंह, रजनु यादव, अमर सिंह मंडावी, सियालाल नाग और उनके साथी बस्तर ओलंपिक में अपने खेल को निखारने के इस अवसर के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अबूझमाड़ के सुदूर पहुंचविहीन गांव के प्रतिभावान युवाओं के खेल प्रतिभा को निखारने के लिए यह उनकी सराहनीय पहल है। उन्होंने बताया कि कबड्डी पुरुष वर्ग में उनकी टीम ने विकासखंड स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया, जिसके लिए उन्हें ट्रॉफी, मेडल और

टीम को ड्रेस प्रदान किया गया। जिला स्तर के आगामी आयोजन के लिए उनकी टीम अत्यधिक उत्साहित है और श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए तैयार है।

मुख्यमंत्री की पहल से अबूझमाड़ में आया सकारात्मक बदलाव

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में अबूझमाड़ क्षेत्र में सुरक्षा और आधारभूत सुविधाओं में लगातार सुधार हो रहा है। इस क्षेत्र में माओवादी घटनाओं में कमी आई है और लोगों का जीवन स्तर भी बेहतर हो रहा है। अबूझमाड़ के संवेदनशील इलाकों में सड़क, बिजली, पानी, आंगनबाड़ी केंद्र, स्कूल और उप-स्वास्थ्य केंद्र जैसी बुनियादी सुविधाएं स्थापित की जा रही हैं। ईरकभट्टी, मसपुर और गारपा जैसे दूरस्थ गांवों तक अब पक्की सड़कें बन चुकी हैं, जिससे इन गांवों के निवासियों को शहरों और बाजारों से जोड़ने में आसानी हो रही है। नारायणपुर से गारपा और मसपुर तक बस सेवाओं की शुरुआत भी इस क्षेत्र के विकास में एक अहम कदम है, जिससे लोगों को यातायात में सहूलियत मिल रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय के कुशल नेतृत्व और विकासोन्मुख नीतियों का सकारात्मक असर अबूझमाड़ के जनजीवन पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। सुरक्षा में वृद्धि, सड़क संपर्क, और विभिन्न सुविधाओं की उपलब्धता ने यहां के निवासियों को राजधानी और अन्य शहरी क्षेत्रों से जोड़ने का कार्य किया है। अबूझमाड़ के लोग अब अपने गांवों में रहते हुए भी बेहतर अवसर प्राप्त कर रहे हैं और विकास की मुख्यधारा में सम्मिलित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय का मानना है कि ऐसे आयोजन न केवल युवाओं को खेल के माध्यम से एक मंच प्रदान करते हैं, बल्कि उन्हें सामाजिक और मानसिक रूप से भी सशक्त बनाते हैं। उनके नेतृत्व में बस्तर संभाग में खेल प्रतिभा के विकास और युवाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव का यह प्रयास प्रशंसनीय है।

युवाओं में बढ़ता विश्वास बस्तर ओलंपिक बना खास

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर आयोजित बस्तर ओलम्पिक की स्पर्धाओं में बीजापुर के सुदूर क्षेत्रों के खिलाड़ी अपनी खेल प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। बस्तर ओलंपिक के तहत ब्लॉक स्तरीय स्पर्धा का शुभारंभ बीजापुर और भैरमगढ़ ब्लाक हुआ। अंदरूनी क्षेत्रों के हजारों खिलाड़ी विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेकर सुशासन के सूर्योदय के साक्षी बने हैं।

पहुंचविहीन क्षेत्र में सौर ऊर्जा की पहुंच, मॉरिशस के प्रतिनिधि मंडल ने सराहा

मॉरिशस सोसायटी फॉर क्वालिटी कंट्रोल सर्किल विभाग मॉरिशस से आये प्रतिनिधिगण द्वारा जिला बलौदाबाजार में स्थित बारनवापरा क्षेत्र में बसे विद्युत पहुंचविहीन गाँव- बार एवं रवान का भ्रमण किया गया। इस भ्रमण के दौरान गांव में क्रेडा द्वारा स्थापित विभिन्न सौर संयंत्रों के बारे में जानकारी प्रतिनिधिगण से साझा की गयी। सौर संयंत्रों के माध्यम से घरों का विद्युतीकरण, सौर ऊर्जा से चलित कृषि पंप, पेयजल हेतु स्थापित सोलर ड्यूल पंप एवं सौर ऊर्जा से चलित सामुदायिक स्ट्रीट लाईट का निरीक्षण क्रेडा के अधिकारियों द्वारा प्रतिनिधियों को कराया गया। राज्य सरकार द्वारा क्रेडा के माध्यम से सौर ऊर्जा का उपयोग कर गांव के विकास की दिशा में दिये जा रहे मूलभूत सुविधाओं को मॉरिशस के प्रतिनिधिगण द्वारा खूब सराहा गया।

क्रेडा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी राजेश सिंह राणा द्वारा मॉरिशस से आये प्रतिनिधिगण के क्रेडा प्रधान कार्यालय रायपुर में बैठक आयोजित की गयी। जिसमें राणा द्वारा प्रतिनिधिगणों को सौर ऊर्जा के क्षेत्र में राज्य सरकार के महत्वकांक्षी योजनाओं की जानकारी साझा की गयी। मॉरिशस के प्रतिनिधिगण द्वारा सौर ऊर्जा के क्षेत्र में तकनीकी आदान-प्रदान तथा छत्तीसगढ़ में अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र निवेश किये जाने हेतु मॉरिशस एवं छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा पहल किये जाने पर जोर दिया। उनके द्वारा राज्य में संचालित सभी सौर ऊर्जा परियोजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान करने का अनुरोध किया गया।

चेहरे पर सुबह ग्लो चाहिए तो जरूर करें नाइट स्किन केयर

क्लीयर और ग्लोइंग स्किन पाने के लिए जरूर है कि आप दिन के साथ-साथ रात को भी अपनी त्वचा की देखभाल करें। लेकिन क्या रात को सोने से पहले सिर्फ मेकअप हटाना ही काफी है? जवाब है बिल्कुल नहीं, क्योंकि हम हर दिन साफ और चमकदार त्वचा चाहते हैं तो देखभाल करने का सही तरीका भी जानना होगा।

इसलिए आज हम आपको इस लेख में 5 ऐसी स्किन केयर टिप्स के बारे में बताने वाले हैं, जिन्हें अगर आप अपने रोज के नाइट स्किन केयर में एड कर लें तो हर सुबह रेडिएंट ग्लो वाली स्किन पा सकते हैं। तो आइए जानते हैं इन त्वचा की देखभाल करने वाली इन पांच टिप्स के बारे में।

डबल क्लींजिंग

दिन भर हमारी त्वचा धूल, प्रदूषण और मेकअप से भर जाती है। इसलिए जरूरी है कि आप रोज रात को सोने पहले डबल क्लींजिंग करें। आप अपनी स्किन के हिसाब से पहले एक ऑयल-बेस्ड क्लींजर से मेकअप और गंदगी को हटाएं। उस के बाद फोम या जेल-बेस्ड क्लींजर से स्किन को डीप क्लीन करें। इससे आपके पोर्स अच्छे से क्लीन होंगे और स्किन फ्रेश नजर आएगी।

न भूलें एक्सफोलिएट करना

एक्सफोलिएट करना त्वचा की सफाई करने का बहुत ही अच्छा तरीका है, लेकिन इसे रोज न करें। इससे डेड स्किन सेल्स को हटाने में मदद मिलती है और स्किन ग्लोइंग नजर आती है। चेहरे को साफ करने के लिए आप हफ्ते में दो बार एक्सफोलिएट करें। इसके लिए आप स्क्रब, केमिकल एक्सफोलिएंट्स या एक्सफोलिएटिंग ब्रश का इस्तेमाल कर सकते हैं। लेकिन ध्यान रखें कि एक्सफोलिएट करते समय बहुत ज्यादा जोर न लगाएं वरना स्किन इरिटेशन हो सकती है।

सीरम का करें इस्तेमाल

हाल ही में लोगों के बीच स्किन से जुड़ी कई समस्याओं को ठीक करने के लिए सीरम का इस्तेमाल बढ़ा है, जिनमें हाई कंसंट्रेशन में एक्टिव इंग्रेडिएंट्स होते हैं। आप भी अपनी स्किन टाइप के अनुसार सीरम ले सकते हैं। उदाहरण के लिए, अगर आपके फेस पर मुहांसे है तो सैलिसिलिक एसिड वाला सीरम इस्तेमाल कर सकते हैं और अगर आपकी ड्राई स्किन है तो आपके लिए हयालूरोनिक एसिड सीरम अच्छा रहेगा। पर उन्हें इस्तेमाल करने से पहले डर्मेटोलॉजिस्ट की सलाह जरूर लें।

मॉइस्चराइजर है जरूरी

स्किन को सॉफ्ट और नरिश रखने के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है कि आप अपनी त्वचा को हाइड्रेट रखें और ये काम मॉइस्चराइजर का होता है। इसलिए रात में सोने से पहले किसी अच्छे मॉइस्चराइजर की लेयर अपने शरीर के सभी हिस्सों पर लगाएं। अगर आपकी स्किन ड्राई है तो हर बार हाथ धोने से बाद और समय-समय पर मॉइस्चराइजर लगाना ना भूलें।

आई क्रीम से दूर भगाएं एजिंग साइन

जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती जाती है, चेहरे पर फाइन लाइंस और झुर्रियों के निशान भी गहरे होने लगते हैं। खासकर आंखों के आसपास की स्किन बहुत पतली होने लगती है। इसलिए अपनी आंखों के नीचे वाले हिस्से की अलग से देखभाल करें। ऐसे में रात में सोने से पहले आई क्रीम लगाना बिल्कुल न भूलें। आई क्रीम आंखों के नीचे की झुर्रियों, डार्क सर्कल्स और सूजन को कम करने में मदद करती है।

यामी गौतम ने छोटे पर्दे से लगाई ऊंची छलांग

"बॉलीवुड अभिनेत्री यामी गौतम आज अपना 36वां जन्मदिन मना रही हैं। यामी की गिनती उन अभिनेत्रियों में होती है, जिन्होंने खुद के बलबूते अपने करियर की उड़ान भरी। उन्होंने छोटे पर्दे से अपने अभिनय की शुरुआत की और आज बड़ी-बड़ी फिल्मों में मुख्य किरदार के रूप में नजर आती है। उनकी गिनती इंडस्ट्री की टॉप अभिनेत्रियों में होती है। यामी ने अपनी मेहनत और लगन से करोड़ों रुपये कमाए हैं। वह अब फिल्मों के लिए मोटी रकम भी वसूलती हैं। आइए आज उनके जन्मदिन के मौके पर जानते हैं कि अभिनेत्री की कितनी नेटवर्थ कितनी है?"

यामी गौतम की नेटवर्थ

यामी गौतम फिल्मों के लिए मोटी रकम तो वसूलती ही हैं, साथ ही अभिनेत्री विज्ञापनों से भी खूब कमाई करती हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यामी गौतम की नेटवर्थ लगभग 90 करोड़ रुपये आंकी गई है। यामी के पास एक आलीशान घर भी है। एक्ट्रेस के पास महंगी गाड़ियों का कलेक्शन भी है। यामी सिर्फ हिंदी ही नहीं बल्कि अन्य भाषाओं की भी फिल्में करती हैं और वहां से भी खूब पैसे कमाती हैं। यामी को विज्ञापनों से भी बड़ा लाभ होता है।

फेयर एंड लवली' के प्रचार ने दिलाई पहचान

यामी गौतम ने बॉलीवुड में अपने फिल्मी करियर की शुरुआत आयुष्मान खुराना के साथ फिल्म 'विक्की डोनर' की। हालांकि, इसके पहले वह साउथ की फिल्मों में भी अभिनय कर चुकी थीं। फिल्मी दुनिया में आने से पहले वह कई धारावाहिकों में भी नजर आईं। अभिनेत्री को सबसे ज्यादा घर-घर पहचान 'फेयर एंड लवली' के विज्ञापन ने दिलाया।

कई शानदार फिल्मों में किया है काम

यामी ने बॉलीवुड की कई शानदार और हिट फिल्मों में काम किया है। उनकी अदाकारी को भी इन फिल्मों में खूब सराहा गया है। अभिनेत्री 'टोटल सियापा', 'एक्शन जैक्शन', 'बदलापुर', 'सनम रे', 'जुनूनीयत', 'काबिल', 'सरकार 3', 'बत्ती गुल मीटर चालू', 'उरी द सर्जिकल स्ट्राइक', 'बाला', 'थर्सडे', 'दसवीं', 'ओएमजी 2', 'आर्टिकल 370' जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं।

आदित्य धर से की शादी

अभिनेत्री ने 4 जून 2021 को निर्देशक आदित्य धर से शादी की। दोनों काफी समय से एक दूसरे के नजदीक थे। यामी आदित्य की फिल्म 'उरी' में काम कर चुकी थीं। इस दौरान दोनों करीब आए और अंत में दोनों ने शादी कर ली। इस वर्ष मई महीने में यामी ने अपने पहले बच्चे को जन्म दिया है।

ORGALIFE®

Eat Organic, Stay Healthy

CERTIFIED ORGANIC PRODUCTS

Range of 100% Natural & Eco Friendly Products

~~140/-~~	120/-	हिमालयन पिंक सॉल्ट
~~130/-~~	115/-	आर्गेनिक गुड
~~130/-~~	115/-	आर्गेनिक गुड पाउडर
~~150/-~~	135/-	गुड चना
~~115/-~~	94/-	गुड खुरचन
~~140/-~~	125/-	गुड पान
~~140/-~~	120/-	गुड पाचक
~~175/-~~	160/-	टी मसाला
~~180/-~~	160/-	रेड राइस
~~180/-~~	165/-	ब्लैक राइस
~~125/-~~	155/-	ब्राउन राइस
~~210/-~~	190/-	रामजीरा राइस
~~160/-~~	145/-	दुबराज राइस
~~170/-~~	155/-	हर्बल सोप
~~560/-~~	545/-	नारियल तेल
~~110/-~~	95/-	लाल मिर्च पाउडर
~~720/-~~	700/-	गिर गाय A2 घी
~~175/-~~	154/-	आम का अचार
~~130/-~~	115/-	मिक्स दाल
~~125/-~~	110/-	मसूर दाल
~~110/-~~	90/-	चना दाल
~~130/-~~	115/-	मूंग दाल (बिना छिलका)
~~130/-~~	115/-	उड़द दाल (छिलका)
~~125/-~~	110/-	झुरगा
~~160/-~~	145/-	काबूली चना
~~145/-~~	120/-	राजमा जम्मू
~~110/-~~	85/-	मल्टी ग्रेन दलिया
~~140/-~~	120/-	मूंग दाल (छिलका)
~~80/-~~	60/-	सुजी
~~95/-~~	75/-	साबुत चना
~~110/-~~	85/-	गेंहू आटा
~~115/-~~	90/-	चना बेसन
~~140/-~~	120/-	उड़द दाल(बिना छिलका)
~~145/-~~	130/-	अरहर दाल
~~110/-~~	85/-	रागी फ्लोर
~~90/-~~	77/-	राइस पोहा

More Then 100+ Organic Grocery Products

Add.: Magneto Mall, Basement infront of Smart Bazar, Raipur (C.G.)
E-kart Shop at Spree Walks, Marine Drive, Telibandha, Raipur (C.G.)

Scan & Shop Now

ORGALIFE®
Haldi Jaggery
आयुर्वेद और दादी की सलाह...
हल्दी वाला दुध
रोज एक बार!
ORGALIFE®
Haldi
Jaggery
Made with Assam's Lakadong Haldi
100% Natural
IMMUNITY BOOSTER
250g
Orgalife Organic Store
Magneto Mall, Lower Basement Infront of Smart Bazar, Raipur (C.G.)
Order On ▶ www.orgalife.in Flipkart amazon | For any Queries/Suggestions : Call : +91 9090229033